RNI - CHHHIN/2009/29541
Surguja.Dn/CG/01/2023-2025
वर्ष–16, अंक–1, जुलाई 2024
मूल्य- ₹20

वाद विरहित,दृष्टि-सम्यक, शब्द दीपक आरती।
सर्वांग, सम्पन्न राष्ट्र का संकल्प सूर्य भारती।।

मासिक सूर्य भारती

लोकहित में जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय के साथ काम करें - प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी

सीतारमण ने पेश किया लगातार सातवां बजट
बजट 2024 : सरकार ने
खोला रोजगार का पिटारा

स्थापना दिवस विशेषांक

8 महीना में कानून व्यवस्था, चिकित्सा-स्वास्थ्य, बिजली बल के दामों में बढ़ोत्तरी जैसे निर्णय से जनता त्रस्त है

- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरगंवा में लुण्ड्रा विधायक...

- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर में किया पौधरोपण महाभियान का शुभारंभ

- 56 आवेदनों का त्वरित निराकरण

- वृक्षारोपण एवं प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा हमारा मौलिक कर्तव्य: कलेक्टर

- पत्रकारों के लिए नए आपराधिक कानून पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

तेंदूपत्ता संग्राहकों के मानदेय में वृद्धि

छत्तीसगढ़ संवाद- 12836/1

तेंदूपत्ता संग्राहकों की पारिश्रमिक दर प्रति मानक बोरा 4000 रु. से बढ़कर 5500 रु.

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें ...

श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

सूर्य भारती

(मासिक पत्रिका)

वर्ष-16, अंक- 1, जुलाई 2024

सम्पादक

एम.पी. गुप्ता

मो 09827884065

सहायक संपादक

सुशील श्रीवास्तव

मो.7339919826

कोटा (राजस्थान) कार्यालय

इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास मेन रोड

सोगरिया कोटा जंक्शन राजस्थान

हिमाभ गुप्ता (बिलासपुर)

सलाहकार संपादक

बिलासपुर प्रतिनिधि

मनीष अम्बष्ट

नरेन्द्र कुमार गुप्ता मो. 09300020740

स्वत्वधिकारी, मुद्रक

एवं प्रकाशक

एम.पी.गुप्ता

कन्या परिसर मार्ग, अम्बिकापुर

सरगुजा (छत्तीसगढ़)

मुद्रक

शिवायन ऑफसेट

प्रतापपुर नाका, अम्बिकापुर

सरगुजा (छत्तीसगढ़)

प्रकाशन स्थल

कन्या परिसर मार्ग, अम्बिकापुर

सरगुजा (छत्तीसगढ़)

Email- suryabharti2009@gmail.com

प्रदेश कार्यालय

एल.आई.जी.

41 इन्द्रावती कॉलोनी

राजातालाब, रायपुर (छ.ग.)

सूरजपुर जिला प्रतिनिधि

योगेश्वर पटवा

कोरिया जिला प्रतिनिधि

डी.सी.बघेल

बलरामपुर जिला प्रतिनिधि

सुभाष गुप्ता

कोरबा प्रतिनिधि

लक्ष्मण शुक्ला

डाक पंजीयन क्रमांक

Surguja Dn/CG/01/2023-2025

विवरणिका

1.	संपादकीय	4
2.	बजट 2024 = सरकार ने खोला रोजगार का पिटारा	5
3.	8 महीना में कानून व्यवस्था, चिकित्सा -स्वास्थ्य, बिजली ...	7
4.	लोकहित में जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी आपसी ...	10
5.	मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की धर्मपत्नी ने जशपुर के ताइक्वांडो ...	12
6.	बगिया में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या साय ...	13
7	जशपुर में दिव्यांगों के लिए बनेगा आदर्श आवासीय परिसर...	14
8.	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक	15
9.	कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की ली बैठक	16
10.	सूरजपुर जिले के कुल 147 श्रद्धालु श्री राम ...	20
11.	जनसमस्या निवारण शिविर लोगों के लिए एक ...	24
12.	अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए लगातार ...	25
13.	कलेक्टर ने सड़कों से मवेशियों को हटाने के दिए सख्त निर्देश...	26
15.	हर साल एक पेड़ लगाने का संकल्प लें- कलेक्टर श्री लंगेह	27
15.	डॉ.भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में बनने वाले 700 ...	30
15.	विद्या भारती शिक्षा संस्था कोटा का प्रतिभा सम्मान समारोह	32
16.	छत्तीसगढ़ से सीधे जुड़ेगा अयोध्या...	35
17.	बालको ने वेदांता स्किल स्कूल के साथ मनाया विश्व ...	36
18.	शहरी आजीविका मिशन में अच्छे कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ ...	37

सूर्य भारती के समस्त सहयोगियों विज्ञापनदाताओं पाठकों एवं शुभचिंतकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। -सम्पादक

सभी जगहों में प्रतिनिधि हेतु इच्छुक व्यक्ति पत्र या फोन द्वारा संपर्क करें। अपने विचार व सुझाव पत्र द्वारा देने का कष्ट करे। -सम्पादक

पांच साल के लिए मजबूत नींव रखता बजट, राहत के साथ प्रोत्साहन का भी बनेगा आधार

वर्ष 2024 का बजट अत्यधिक प्रत्याशित रहा, खासकर प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के बाद कि पिछला दशक आने वाले पांच वर्षों में अपेक्षित परिवर्तनकारी परिवर्तनों के लिए केवल एक प्रस्तावना या ट्रेलर था। यह बजट नौ प्रमुख क्षेत्रों के आसपास संरचित है, जिसमें रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है, जो सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। सरकार 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हुए अच्छी भुगतान वाली नौकरियां निर्मित करने की अपनी प्राथमिकता में काफी स्पष्ट रही है।

इस संबंध में, शिक्षा के लिए बढ़ा हुआ बजट आवंटन दूरगामी प्रभाव वाला एक रणनीतिक कदम है। दूसरी तरफ, कृषि अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य दूरगामी सोच वाले दृष्टिकोण को दर्शाते हुए उत्पादकता बढ़ाना है। एक और उल्लेखनीय पहल रोजगार से जुड़ा प्रोत्साहन कार्यक्रम है, जहां सरकार भविष्य निधि में नियोक्ता का हिस्सा और ईपीएफओ के साथ पंजीकृत नए कर्मचारियों के लिए पहले महीने का वेतन, जो पंद्रह हजार रुपये तक हो, कवर करेगी। इसके अतिरिक्त, विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई योजनाएं शुरू की गई हैं, जो इस क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। कार्यबल में महिलाओं के लिए बढ़ा हुआ बजट आवंटन और शिक्षा ऋण की ब्याज दरों में तीन प्रतिशत की छूट समावेशी विकास की दिशा में सराहनीय कदम हैं। इसके अलावा, सरकार ने एक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया है जिसका लक्ष्य एक करोड़ भारतीय युवाओं को शीर्ष 500 कंपनियों में आवासीय और व्यावसायिक अनुभव प्रदान करना है, ताकि शिक्षा और रोजगार के बीच अंतर को कम किया जा सके। बजट में आंध्र प्रदेश और बिहार राज्यों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो राजनीति में विश्वस्त सहयोगी होने के नाते स्वाभाविक भी था। बिहार के लिए, कोसी नदी बेसिन में बाढ़ सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना एक महत्वपूर्ण कदम है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बजट क्रेडिट गारंटी योजना को बढ़ाना और मुद्रा लोन सीमा को रुपये 20 लाख तक बढ़ाने जैसे उपायों से एमएसएमई को आवश्यक वित्तीय सहायता मिलने, उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बजट में शहरी विकास को प्राथमिकता वाला क्षेत्र माना गया है, जिसमें जल आपूर्ति, स्वच्छता एवं परिवहन के लिए 10 लाख करोड़ रुपये के पर्याप्त निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। कई सुधारों के प्रस्ताव के साथ सरकार ने शहरी ढांचों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है, जो सतत विकास एवं जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए जरूरी है, क्योंकि भारत का भविष्य शहरी क्षेत्रों पर ही निर्भर है। बजट में ऊर्जा परिवर्तन को भी प्रमुखता से शामिल किया गया है, जिसमें सोलर रूफटॉप नीति की शुरुआत की गई है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालयों में अनुसंधान की फंडिंग के लिए एक लाख करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण आवंटन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र को शामिल किया गया है, जो नवाचार के महत्व को रेखांकित करता है। बजट में रोजगार, भूमि संबंधी मामलों और वित्तीय क्षेत्र में अगली पीढ़ी के सुधारों की रूपरेखा पेश की गई है, जिसका उद्देश्य व्यापार सुगमता को बढ़ाना और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करना है। बजट प्राप्तियां बढ़कर 32.07 लाख करोड़ रुपये हो गई हैं, जबकि राजकोषीय घाटा जो अंतरिम बजट में 5.1 फीसदी था, वह घटकर 4.9 फीसदी रह गया है। यह कमी मुख्य रूप से जीडीपी में वृद्धि, उच्च प्राप्तियों और कम व्यय के कारण आई है। 2023-24 के वास्तविक खातों से पता चलता है कि संशोधित बजट में निर्धारित 5.8 फीसदी की तुलना में राजकोषीय घाटा घटकर 5.6 फीसदी रह गया है। बजट प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर में कई तरह के बदलाव लाता है। हालांकि अप्रत्यक्ष करों, विशेष रूप से जीएसटी का सरलीकरण एक सकारात्मक कदम है। लेकिन कर कटौती एवं उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी जैसे कई मुद्दे अब भी हैं। कैपिटल गेन टैक्स में बढ़ोतरी से शेयरबाजार में सूचीबद्ध निवेशकों के लिए चिंताएं बढ़ी हैं। सूचीबद्ध वित्तीय संपत्तियों पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स को 10 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है, जबकि शॉर्ट टर्म गेन पर टैक्स को 15 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है। सरकार ने सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध, दोनों प्रतिभूतियों के लिए लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दर को एक समान 12.50 फीसदी रखकर दोनों के बीच के अंतर को पाट दिया है। यह गैर-सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए दर में बड़ी कमी है, जिससे स्टार्ट-अप्स में पूंजी प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा। सोना एवं चांदी पर कर घटाकर छह फीसदी कर दिए जाने से इनकी तस्करी तो घटेगी ही, मूल्यवर्धन एवं निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप आगामी पांच साल के लिए ठोस नींव रखता है। यह विभिन्न क्षेत्रों में राहत और प्रोत्साहन प्रदान करता है, जिसमें रोजगार सृजन, शहरी विकास और महिला कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बजट का एक और महत्वपूर्ण पहलू विवाद समाधान पर ध्यान केंद्रित करना है। विवाद से विश्वास योजना की शुरुआत का उद्देश्य कुछ लंबित आयकर विवादों को हल करना है। प्रत्यक्ष कर, उत्पाद शुल्क और सेवा कर से संबंधित अपील दायर करने की मौद्रिक सीमा बढ़ा दी गई है, लेकिन यह अधिक प्रभावी होता, यदि उच्च न्यायालय के निर्णयों का बेहतर सम्मान करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के लिए सीमा कम से कम 50 करोड़ रुपये तक बढ़ा दी जाती।

सीतारमण ने पेश किया लगातार सातवां बजट

बजट 2024 : सरकार ने खोला रोजगार का पिटारा

चार करोड़ से ज्यादा युवाओं को फायदा, टैक्स स्लैब में बदलाव

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में बजट पेश की हैं। ये वित्त मंत्री का लगातार 7वां बजट है। इस बार बजट में भी महिला, युवा और किसानों पर फोकस है। वित्त मंत्री ने अपना भाषण सुबह 11 बजकर 3 मिनट पर शुरू किया। उन्होंने कहा कि 'भारत की अर्थव्यवस्था लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है, और आगे भी इसके जारी रहने की उम्मीद है। महंगाई लगातार कंट्रोल में है।

खाने-पीने की चीजें भी पहुंच में हैं। जैसा कि अंतरिम बजट में कहा था ङ्क गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता ङ्क हम इन चार जातियों पर फोकस करना चाहते हैं। एक महीने पहले हमने लगभग सभी मेजर फसलों पर बढ़ी हुई एमएसपी की घोषणा की है। 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना चल रही है।'

उन्होंने कहा, 'वित्त मंत्री ने कहा, 'भारत की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में अपना विश्वास जताया है। उन्हें ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा चुना है। वित्त मंत्री ने कहा कि मुश्किल दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था चमक रही है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा, जैसा कि अंतरिम बजट में उल्लेख किया गया है, हमें 4 अलग-अलग जातियों, गरीब, महिला, युवा और किसान पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है. किसानों के लिए, हमने सभी प्रमुख फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है, जो लागत से कम से कम 50त्न मार्जिन के वादे को पूरा करता है. पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना को 5 साल के लिए बढ़ाया गया, जिससे 80 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ हुआ.

नेचुरल फॉर्मिंग से अगले एक साल में एक करोड़ किसान इससे जुड़ेंगे

बजट में पहले ऐलान की जा चुकी कुछ योजनाओं को भी शामिल किया है। खेती में रिसर्च को ट्रांसफॉर्म करना, एक्सपर्ट की निगरानी, जलवायु के मुताबिक नई वैरायटी को बढ़ावा देंगे। नेचुरल फॉर्मिंग से अगले एक साल में एक करोड़ किसान इससे जुड़ेंगे। दाल और दलहन में आत्मनिर्भरता के लिए प्रोडक्शन, स्टोरेज और मार्केटिंग पर फोकस करेंगे। सरकार का फोकस सरसों, मूंगफली, सनफ्लॉवर और सोयाबीन जैसी फसलों पर होगा। युवाओं को पहली जॉब पर मिलेंगे 15 हजार रुपए, आंध्र-बिहार के लिए खुले भंडार, रोजगार-कौशल विकास के लिए 2 लाख करोड़ की 5 स्कीम्स

पहली नौकरी करने वाले युवाओं को वित्त मंत्री ने 15 हजार रुपये का तोहफा दिया है। वहीं आंध्र-बिहार के लिए सीतारमण ने खजाना खोल दिया है। बिहार में 26 हजार करोड़ से 3 नए ए क स प ्र े स - व े बनेंगे।निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में आंध्र प्रदेश को अतिरिक्त आर्थिक मदद का ऐलान किया है।

नई टैक्स रिजीम -

- to 3 तक लाख तक आमदनी पर कोई टैक्स नहीं
- 3 से 7 लाख आय पर 5% आयकर
- 7 से 10 लाख की आय पर 10% आयकर
- 10 लाख से 12 लाख की आय पर 15% आयकर
- 12 लाख से 15 लाख की आय पर 20त्न आयकर
- 15 लाख से ज्यादा की आय पर 30% आयकर
- इससे पहले पिछले साल न्यू टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया था.
- इससे पहले ये न्यू टैक्स स्लैब था (New Ta& Slab- 2023)-
- 0 से तीन लाख पर 0 फीसदी
- 3 से 6 लाख पर 5 फीसदी
- 6 से 9 लाख पर 10 फीसदी
- 9 से 12 लाख पर 15 फीसदी
- 12 से 15 लाख पर 20 फीसदी
- 15 से ज्यादा लाख पर 30 फीसदी ।

निर्मला सीतारमण के बजट भाषण की बड़ी बातें

- ये बजट सभी के विकास के लिए है.
- ये विकसित भारत का रोडमैप है.
- एनर्जी सिक्योरिटी पर सरकार का फोकस.
- रोजगार बढ़ाने पर सरकार का फोकस. रोजगार बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है.
- नेचुरल फार्मिंग बढ़ाने पर जोर.
- 32 फसलों के लिए 109 किस्म लॉन्च करेंगे.
- कृषि सेक्टर का विकास पहली प्राथमिकता।

निर्मला सीतारमण ने 5 योजनाओं का ऐलान किया

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पांच योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री पैकेज का ऐलान किया है. इनका मकसद रोजगार और प्रशिक्षण को मजबूत बनाना है. इसके लिए सरकार ने 2 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. खास बात है कि इस साल शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण के लिए 1.54 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.

वित्त मंत्री चौधरी ने पेश किया अनुपूरक बजट

रायपुर में नया थाना और नए सीएसपी कार्यालय सहित जानिये- 7 हजार करोड़ से अधिक के इस बजट है खास

रायपुर। विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन (मंगलवार) आज वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सदन में 7329 करोड़ 35 लाख 62 हजार 700 रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया। यह चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट है। इसमें स्कूल, कॉलेजों से लेकर सड़कों और भवनों के साथ नए उद्यानों की स्थापना के लिए सरकार ने बजट का प्रावधान किया है।

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आज विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश किया है। यह चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट है

इसमें रायपुर के कौशल्या विहार (कमल विहार) में नया पुलिस थाना और नवा रायपुर में नए सीएसपी कार्यालय की स्थापना के लिए बजट का प्रावधान किया गया है। इसमें राज्य सरकार के कर्ज के ब्याज भुगतान के लिए 1200 रुपये रखा गया है। राज्य सरकार को 298400000 का ब्याज भुगतान करना है। ऐसे में 12 सौ रुपये की यह राशि प्रतीक स्वरुप बजट में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री के निवास कार्यालय और मंत्रालय में 27 पदों पर भर्ती का भी प्रावधान इस अनुपूरक बजट में किय गया है। वित्त विभाग में विशेष सचिव के 3 पदों के साथ कुल 37 नए पदों का सृजन किया गया है। नव गठित सुशासन एवं अभिसरण विभाग में 12 नए पदों का सृजन किया गया है।

मीसा बंदियों के पेंशन के लिए अनुपूरक बजट में 42 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जिला राजनांदगांव के पठानकढोडगी-दतरेंगाटोला मार्ग पर घुमरिया नदी पर उच्च स्तरीय पुल (अनुमानित लागत 655.00 लाख) निर्माण कार्य हेतु। इस वर्ष व्यय विभागीय बचत से किया जायेगा।

ग्रामीण सड़को का निर्माण योजनांतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्यों को अनुपूरक अनुदान मे शामिल किया गया है। इस वर्ष व्यय विभागीय बचत से किया जायेगा– कवर्धा से राजनांदगांव रोड कबीर चौक सरोधा नहर पार में स्वैरबना तक 5.00 किमी. (अनुमानित लागत 750.00 लाख) निर्माण कार्य जिला कबीरधाम विकासखण्ड कवर्धा के जेवड़नकला से कैलाशनगर मार्ग लं. 3.40 किमी. (अनुमानित लागत 615.00 लाख) निर्माण पुल पुलिया सहित जिला कबीरधाम विकासखण्ड सहसपुर लोहारा के खैरबना से बाजगुड़ा मार्ग लं. 3.40 किमी. (अनुमानित लागत 615.00 लाख) निर्माण पुल पुलिया सहित जिला कबीरधाम विकासखण्ड कवर्धा के घोटिया से बीरूटोला मार्ग लं. 3.50 किमी. (अनुमानित लागत 630.00 लाख) निर्माण पुल पुलिया संहित जिला कबीरधाम विकासखण्ड सहसपुर लोहारा के मोतिमपुर से श्री सिद्धपीठ सुतियापाठ मॉ हिंगलाज गुफा तक मार्ग लें. 4.00 किमी. (अनुमानित लागत 720.00 लाख) निर्माण हाईस्कूल मिड़मिड़ा पहुंच मार्ग लं. 0.70 किमी. (अनुमानित लागत 100.00 लाख) निर्माण कार्य सुरी सरसमाल मार्ग लं. 3.0 किमी. (अनुमानित लागत 350.00 लाख) निर्माण कार्य मचिदा कलमी सुटुपाली मार्ग लं. 3.5 किमी. (अनुमानित लागत 400.00 लाख) निर्माण कार्य गुड़गहन पहुंच मार्ग लं. 1.10 किमी. (अनुमानित लागत 120.00 लाख) निर्माण कार्य कसाईपाली सोडेकेला पहुंच मार्ग लं. 2.50 किमी (अनुमानित लागत 350.00 लाख) निर्माण मिमिड़ा से मौहापाली पहुंच मार्ग लं. 2.5 किमी. (अनुमानित लागत 300.00 लाख) निर्माण जिला मुंगेली के ग्राम पंचायत बोड़तरा से दाऊकांपा तक नवीन सड़क का निर्माण लं. 5.50 किमी. (अनुमानित लागत 690.00 लाख) निर्माण कार्य जिला मुंगेली के डी-3 माईनर केनाल से गाड़ापुल मेनरोड नथेलपारा से दाऊकांपा मेन रोड तक मार्ग का निर्माण लं. 5.20 किमी. (अनुमानित लागत 650.00 लाख) निर्माण कार्य जिला मुंगेली के दाढ़ीपारा से इंदलपुर मेनरोड तक मार्ग का निर्माण लं. 5.10 किमी. (अनुमानित लागत 640.00 लाख) निर्माण कार्य जिला मुंगेली के ग्राम कुम्हरोली से सब स्टेशन तक मार्ग का निर्माण लें. 4.50 किमी. (अनुमानित लागत 565.00 लाख) निर्माण कार्य जिला मुंगेली के भठली से सेमरसल मार्ग का निर्माण लं. 4.50 किमी. (अनुमानित लागत 565.00 लाख) निर्माण कार्य अत: इन प्रयोजनों हेतु कुल राशि 1600 प्रतीक अनुपूरक अनुदान की आवश्यकता है। जिले की मुख्य सड़कों के निर्माण योजनांतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्यों को अनुपूरक अनुदान में शामिल किया गया है। इस वर्ष व्यय विभागीय बचत से किया जायेगा:– 1. सूरजगढ़ पड़िगांव मार्ग लें. 2.50 किमी. (अनुमानित लागत 300.00 लाख) निर्माण कार्य 2. एम.एम.आई चौक से शदाणी दरबार रायपुर तक पुराने स्ट्रीट लाईट के स्थान पर नये एल.ई. डी. स्ट्रीट लाईट, डेकोरेटिव्ह पोल के साथ, सीसीटीवी, सोलर ब्लिंकर इत्यादि प्रदाय एवं स्थापना (लं. 5.80 किमी.) (अनुमानित लागत 1508.00 लाख) का कार्य 3. खमतराई ब्रिज रायपुर से धनेली सांकरा एन.एच. जंक्शन तक पुराने स्ट्रीट लाईट के स्थान पर नये एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट, डेकोरेटिव्ह पोल के साथ, सीसीटीवी, सोलर ब्लिंकर इत्यादि प्रदाय एवं स्थापना (लं. 5.80 किमी.) (अनुमानित लागत 1898.00 लाख) का कार्य 4. पंडरी पुराना बस स्टैण्ड चौक रायपुर से केनाल लिंकिंग मार्ग अंतर्गत एम.एम.आई. चौक, रायपुर तक पुराने स्ट्रीट लाईट के स्थान पर नये एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट, डेकोरेटिव्ह पोल के साथ, सीसीटीवी, सोलर ब्लिंकर इत्यादि प्रदाय एवं स्थापना (लं. 4.00 किमी.) (अनुमानित लागत 1040.00 लाख) का कार्य 5. रायपुर स्थित भारतमाता चौक से गोदवारा रोड (अंडरब्रिज एवं ओव्हर ब्रिज सहित) तक पुराने स्ट्रीट लाईट के स्थान पर नये एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट, डेकोरेटिव्ह पोल के साथ प्रदाय एवं स्थापना (लं. 4.00 किमी.) (अनुमानित लागत 276.00 लाख) का कार्य 6. रायपुर स्थित महोबा बाजार कोटा गुड़ियारी रोड (अंडरब्रिज सहित) तक पुराने स्ट्रीट लाईट के स्थान पर नये एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट, डेकोरेटिव्ह पोल के साथ प्रदाय एवं स्थापना का कार्य (लं. 3.00 किमी.) (अनुमानित लागत 250.00 लाख) का कार्य न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम योजनांतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्यों को अनुपूरक अनुदान में शामिल किया गया है। इस वर्ष व्यय विभागीय बचत से किया जायेगा– 1. जिला जशपुर के कलिया फगनू दुकान से धरसा जंगल (टोगो टोली) मार्ग लं. 2.50 किमी. (अनुमानित लागत 700.00 लाख) निर्माण कार्य 2. जिला जशपुर के बेहरा खार अटल चौक से कुरूम धोरहा मार्ग लं. 4.00 किमी. (अनुमानित लागत 600.00 लाख) का निर्माण 3. कमरई से सोनाजोरी पहुंच मार्ग लंबाई 4.00 किमी. (अनुमानित लागत 350.00 लाख) निर्माण 4. बाँदा से नवघट्टा मार्ग लंबाई 1.50 किमी. (अनुमानित लागत 225.00 लाख) निर्माण कार्य 5. सांकरा से राबो मार्ग लंबाई 3.00 किमी. (अनुमानित लागत 450.00 लाख) निर्माण कार्य 6. बाँदा से भीखमपुरा मार्ग लंबाई 2.00 किमी. (अनुमानित लागत 300.00 लाख) निर्माण कार्य 7. बोरोडीपा चौक से 300 मीटर नाली निर्माण (अनुमानित लागत 20.00 लाख) निर्माण कार्य 8. सुलोनी से नंदेली पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 किमी. (अनुमानित लागत 300.00 लाख) निर्माण कार्य 9. सकरबोगा से महापल्ली सड़क में बड़ा रेलिंग वाला पुल निर्माण (अनुमानित लागत 250.00 लाख) निर्माण कार्य 10. लोधिया से खपरापाली पहुंच मार्ग लंबाई 1.00 किमी. (अनुमानित लागत 125.00 लाख) निर्माण कार्य 11. कोसमनारा पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 किमी. (अनुमानित लागत 250.00 लाख) निर्माण कार्य 12. बाराडोली हाईस्कूल में पहुंच मार्ग लंबाई 1.00 किमी. (अनुमानित लागत 150.00 लाख) निर्माण कार्य 13. परसापाली से बाराडोली मार्ग लंबाई 3.00 किमी. (अनुमानित लागत 300.00 लाख) निर्माण 14. त्रिभौना से कोड़पाली पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 किमी. (अनुमानित लागत 200.00 लाख) निर्माण कार्य 15. रैबो से आमबोराई (उड़ीसा सीमा तक) लं. 2.00 किमी. (अनुमानित लागत 400.00 लाख) निर्माण कार्य 16. सण्डा से देवगांव मार्ग लंबाई 2.00 किमी. (अनुमानित लागत 450.00 लाख) निर्माण कार्य 17. छ.ग. सेवा सहकारी समिति मर्यादित लोधिमा से खपरापाली बस्ती पहुंच मार्ग लंबाई 1.00 किमी. (अनुमानित लागत 150.00 लाख) निर्माण कार्य 18. सरिया चौक से बस्ती तक चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण लंबाई 1.75 किमी. (अनुमानित लागत 800.00 लाख) निर्माण कार्य अत: इन प्रयोजनों हेतु कुल राशि 1800 प्रतीक अनुपूरक अनुदान की आवश्यकता है।

8 महीना में कानून व्यवस्था, चिकित्सा -स्वास्थ्य, बिजली बल के दामों में बढ़ोतरी जैसे निर्णय से जनता त्रस्त है

अम्बिकापुर। विपक्ष की सक्रियता और जनमत के दबाव के बल पर ही सरकार को नियंत्रित किया जा सकता है नहीं तो सरकारें बेलगाम हो जाती है। उक्त बातें पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने कही। वे 24 जुलाई को विधानसभा घेराव की तैयारियों के सम्बंध में कार्यकर्ताओ की बैठक को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि लोक सभा चुनाव में देश की जनता ने ऐसा जनमत दिया कि इंडिया गठबंधन हार के भी जीत गयी।सबसे बड़ी बात देश बच गया।उहोने कहा कि विधानसभा चुनाव में परिणाम देश भर के विशेषज्ञों के आकलन के विपरीत में रहा। दुर्भाग्य वी लोकसभा में भी हमें अपेक्षित सफलता नहीं। हम राज्य और देश दोनों जगह मजबूत विपक्ष की भूमिका में है पिछले 8 महीना में कानून व्यवस्था, चिकित्सा -स्वास्थ्य, बिजली बल के दामों में बढ़ोतरी जैसे निर्णय से जनता त्रस्त है। जनता की आवाज सरकार तक पहुंचने विधानसभा का घेराव किया जा रहा है उन्होंने सरगुजा जिले से ज्यादा से बड़ी संख्या में लोगो से विधानसभा घेराव में शामिल होने का आग्रह किया।सरगुजा की प्रभारी एवम प्रदेश महामंत्री आरती सिंह ने कहा प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर आयोजित घेराव

मे सरगुजा से दमदार उपस्थिति होनी चाहिए। ननि सभापति अजय अग्रवाल ने कहा कि विधान सभा चुनाव में हम लोगो ने थाली में परोसकर सरकार उन्हें सौप दिया।अब संघर्ष का रास्ता अपनाना होगा तभी नगरीय निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।श्रम कल्याण मण्डल के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद ने कहा भाजपा की सरकार में स्वास्थ्य सुविधाओं का बुरा हाल है। पूर्व की सरकार मैं तब के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने ऐसी व्यवस्था बनाई थी की सरकारी अस्पतालों सभी दवाइयां मिल जाती थी सिर्फ आठ महीने दवाइयों के साथ डॉक्टर की कमी की बात आ रही है।सोसायटी में चना मिलना बंद है।बिजली बिल दुगना हो गया है।कानून व्यवस्था बदहाल है।जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने घेराव के रूप रेखा की जानकारी दी। प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने कहा सरकार को नियंत्रित करने विरोध आवश्यक है।कार्यक्रम का संचालन हेमन्त सिन्हा और आभार प्रदर्शन महापौर डॉ अजय तिर्की ने किया।बैठक में मो इस्लाम,राजीव सिंह,दुर्गेश गुप्ता, आरएस तोमर, संजय विश्वकर्मा, विकल झा, शिवप्रसाद अग्रहरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे।

जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संपन्न

डीएमएफ तहत स्वीकृत, पूर्ण और प्रगतिरत कार्यों की हुई समीक्षा

अम्बिकापुर । सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज की उपस्थिति तथा कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला खनिज संस्थान न्यास की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज और सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो भी मौजूद रहे। शासी परिषद की बैठक में सीईओ जिला पंचायत एवं सदस्य सचिव, जिला खनिज संस्थान न्यास श्री नूतन कंवर ने वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक सेक्टरवार कार्यों की प्रगति की स्थिति की जानकारी दी जिसमें उच्च प्राथमिकता के क्षेत्र पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि तथा अन्य प्राथमिकता के क्षेत्र अंतर्गत स्वीकृत, पूर्ण और प्रगतिरत कार्यों की जानकारी शामिल रही। बैठक में शासन के निर्देश एवं समस्त शासी परिषद के सदस्यों की सहमति से अप्रारंभ कार्यों को निरस्त किया गया।शासी परिषद की बैठक में सांसद सहित समस्त विधायकों द्वारा जिले के विकास हेतु सुझाव भी साझा किए गए जिसमें

मैनपाट क्षेत्र में खनिज खनन और परिवहन रूट को आमजन के आवागमन से भिन्न रखा जाए जिससे लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो। क्रशर संचालन क्षेत्र में भी आमजन के आवागमन की सुविधा को दुरुस्त लिया जाए। मैनपाट क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने सामुदायिक वन संसाधन पट्टे की भूमि पर फलदार वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के सुझाव दिए गए।

बैठक में वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना के मद्देनजर स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास सहित भौतिक अधोसंरचना और सिंचाई सुविधा से जुड़े कार्यों को प्रस्तुत किया गया जिसमें शासकीय जिला ई-लाइब्रेरी को छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों की सुविधा हेतु रीडिंग हॉल के रूप में विकसित करने और जिले में बच्चों और गर्भवती और शिशुवती माताओं के पोषण हेतु अतिरिक्त आहार, भवन विहीन आंगनबाड़ी हेतु भवन निर्माण स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, सहित सड़क, विद्युत, पानी संबंधित जनोपयोगी आवश्यक अधोसंरचना कार्य शामिल रहे। बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 की ऑडिट रिपोर्ट सहित वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 की वार्षिक प्रतिवेदन को अनुमोदन हेतु रखा गया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरगंवा में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज की उपस्थिति में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन

तिलक लगा,फूलमाला पहनाकर, मिठाई खिलाकर नवप्रवेशी बच्चों का किया गया स्वागत

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरगंवा में मंगलवार को विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज उपस्थित रहे। इस अवसर पर विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय के शिक्षक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने मनमोहक नृत्य कर अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों सहित अधिकारियों ने नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर, फूलमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशित बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और शासन द्वारा शिक्षा स्तर की गुणवत्ता को बेहतर से बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है। इससे शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेगा। इस दौरान अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर में बने नवनिर्मित पांच कक्षों का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही सरस्वती सायकिल योजना के तहत 42 छात्राओं को नि:शुल्क सायकल का वितरण किया गया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्कूल परिसर में जनप्रतिनिधियों द्वारा पौधारोपण किया गया।

मीडिया प्रतिनिधियों को नवीन कानूनों की जानकारी देने सरगुजा पुलिस द्वारा एकदिवसीय 'संवाद कार्यक्रम' एवं कार्यशाला का आयोजन

'नवीन कानूनों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण – आईजी सरगुजा श्री गर्ग

अम्बिकापुर। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार सरगुजा पुलिस द्वारा गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे नवीन कानूनों के क्रियान्वयन की दिशा में जिले के मीडिया प्रतिनिधियों को नवीन कानूनों के प्रावधानों की जानकारी देने एक दिवसीय संवाद कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईजी सरगुजा श्री अंकित गर्ग, कलेक्टर श्री विलास भोस्कर एवं एसपी श्री योगेश पटेल द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों के साथ नवीन आपराधिक कानूनों और प्रावधानों पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर आईजी श्री गर्ग ने कहा कि नवीन आपराधिक कानूनों के प्रति जन जागरूकता निर्मित करने में मीडिया को महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए मीडिया समूह को नवीन आपराधिक कानून की दूरदर्शिता के बारे में अवगत कराना आवश्यक हैं। नवीन कानून 01 जुलाई 2024 से जिले सहित देश भर मे लागू हुए हैं, जिसके सम्बन्ध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आम जनता को जानकारी दी जा रही है। आमनागरिकों कों जागरूक करने में मीडिया का का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बताया कि नवीन आपराधिक कानून में आम नागरिकों कों जीरो एफआईआर एवं ई एफआईआर की सुविधा प्रदान की गई हैं, जिसमे आम व्यक्ति किसी भी क्षेत्र के थाने मे अपनी शिकायत दर्ज कराने के साथ अपनी शिकायत सीधे ऑनलाइन दर्ज करा सकता हैं, अब थाना क्षेत्र की सीमा एवं तत्काल परोक्ष रूप से उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज कराना पीड़ित के लिए आवश्यक नही हैं, ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के 03 दिवस के भीतर दर्ज शिकायत को हस्ताक्षरित करना

आवश्यक है, जिससे दर्ज शिकायत पर प्रकरण पंजीबद्ध किया जा सकेगा। इसी तरह नवीन आपराधिक कानून में आमनागरिकों के प्रति जवाबदेही तय की गई हैं, पीड़ित की शिकायत पर की गई कार्यवाही के सम्बन्ध में 90 दिन मे पीड़ित को मामले में की गई कार्यवाही से अवगत कराने की समय सीमा का निर्धारण किया गया है। मामलों की वीडियोग्राफी, ऑडियोग्राफी जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्य को प्राथमिक साक्ष्य के रूप शामिल किया गया है। अब साइबर अपराध, आतंकवाद, संगठित अपराध, मॉब लिन्चिंग सम्बन्धी अपराधों पर भी नवीन प्रावधान आपराधिक क़ानून मे शामिल किए गए हैं।

कलेक्टर सरगुजा श्री विलास भोस्कर ने कहा कि सार्थक एवं जनोपयोगी जानकारियों को लोगों तक पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम मीडिया है। मीडिया में प्रकाशित और प्रसारित खबरों से जागरूक होकर आमनागरिक शासन की योजनाओं से लाभान्वित होते हैं। इसी कड़ी में नवीन आपराधिक कानूनों की जानकारी आम जनता तक आसान तरीके से पहुंचाने के लिए मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया है। नवीन कानून में तकनीकी एवं वैज्ञानिक विवेचना का समावेश किया गया है। न्याय व्यवस्था को पारदर्शी करने के साथ साथ मामलों के त्वरित निराकरण करने की दिशा में नवीन कानून आम जनता के लिए लाभदायक साबित होंगे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एसपी श्री योगेश पटेल ने कहा कि नवीन कानून संहिता में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य संहिता स्थापित की गई है। नवीन कानून संहिता में दंड की बजाय न्याय पर जोर दिया गया है। नवीन क़ानून में किए गए प्रावधानों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। जिसके लिए मीडिया कार्यशाला एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाना सरल और सहज माध्यम है। नवीन आपराधिक कानून में पुलिस की जांच विवेचना को वैज्ञानिक तकनीक के आधार पर किये जाने के प्रावधान शामिल किए गए हैं। सामुदायिक सेवा, ई-एफआईआर, जैसे प्रावधान किए गए हैं। 07 वर्ष से उपर के सजा के मामलों मे फॉरेंसिक टीम का घटनास्थल निरीक्षण के प्रावधान भी किये गए हैं जिसका लाभ पीड़ित को मिलेगा। यह अपराध में शामिल आरोपियों की दोषसिद्धि में सहायक साबित होगा।

जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के विभिन्न विद्यालयों का किया निरीक्षण

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा द्वारा सोमवार को शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला लालमाटी, शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सायरराई,शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जरहाडीह का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यार्थियों,शिक्षकों एवं स्टाफ के उपस्थिति पंजी की जांच की। उन्होंने विद्यार्थियों से बात कर उनके पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक गुणवत्ता का परीक्षण किया तथा शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण अध्यापन हेतु प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालयों में सभी संस्था प्रमुखों से अपने विद्यालय में जिले के नवपदस्थ सभी अधिकारियों के नाम एवं उनके मोबाइल नम्बर अपडेट करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने सभी विद्यालय के मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं मीनू की भी जांच की

एवं सभी से गुणवत्तापूर्ण, पोषक एवं ताजा भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री सिन्हा ने प्रधानपाठकों को विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान अन्तर्गत इसी माह पौधारोपण हेतु निर्देशित किया एवं उनके सुरक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यों में लापरवाही पर प्राथमिक शाला लालमाटी के दो सहायक शिक्षकों, पूर्व माध्यमिक शाला लालमाटी में प्रभारी प्रधान पाठक सहित 03 शिक्षकों को स्पष्टीकरण जारी किया।

लोकहित में जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय के साथ काम करें - प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी

कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

अम्बिकापुर। वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, आर्थिक, सांख्यिकी विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई जहां सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायक अंबिकापुर श्री राजेश अग्रवाल, विधायक लुण्ड्रा श्री प्रबोध मिंज और विधायक सीतापुर श्री रामकुमार टोप्पो, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, एसपी श्री योगेश पटेल, वनमण्डलाधिकारी श्री तेजस शेखर, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर सहित, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव उपस्थित रहे।

बैठक में जिले की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि सरगुजा के सर्वांगीण विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय हो। सभी के समन्वित प्रयास से जिले के बेहतर विकास की परिकल्पना साकार होगी। उन्होंने सरगुजा में ऐसे 10 बड़े प्रोजेक्ट चिन्हांकित करने के निर्देश कलेक्टर श्री भोसकर को दिए, जो सरगुजा जिले की पहचान बन सके और आमजन को लंबे समय तक इनका लाभ मिलता रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्पोर्ट्स, पर्यावरण सौंदर्यीकरण, सड़क, शहरी विकास, रोजगार आदि से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट चिन्हांकित करें, और इन्हें डीएमएफ, सीएसआर जैसे मद के सहयोग से तैयार कराने की कार्ययोजना बनाकर पूर्ण कराएं। बैठक में उन्होंने कहा कि शासन की मंशा आसान गवर्नेंस स्थापित करना है जिससे अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पहुंचे।

बैठक में प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मनरेगा के तहत जिले में मानव दिवस सृजन, सामग्री व्यय, लंबित भुगतान पर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आवास योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों को पहुंचाना सुनिश्चित करने सीईओ जिला पंचायत को निर्देशित किया। मैनपाट में आवास योजना को लेकर मिल रही शिकायतों पर प्रभारी मंत्री ने कठोर

प्रभारी मंत्री के निर्देश, ऐसे 10 प्रोजेक्ट चिन्हांकित करें, जो सरगुजा के विकास और जनहित की मिसाल बने, शासन की मंशा अनुरूप जिले में हो बेहतर गवर्नेंस

जिले में धारा 170 ख से जुड़े प्रकरणों हेतु स्पेशल कोर्ट, पशुपालन में नई तकनीकों के इस्तेमाल, छात्र छात्राओं के लिए स्पेशल क्लास, उद्यानिकी में किए हुए विशेष पहल की प्रभारी मंत्री ने की सराहना

कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

पीएम किसान निधि, उर्वरकों की उपलब्धता, सरगुजा में उद्यानिकी, पशुपालन, रेशम और मत्स्यपालन की संभावनाओं पर विस्तृत दिशा निर्देश

प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने बैठक में पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों के पंजीयन की समीक्षा करते हुए कहा कि कृषि विभाग ज्यादा से ज्यादा किसानों को योजना का लाभ मिलना सुनिश्चित करें। गांवों में सघन अभियान चलाकर शेष किसानों का पंजीयन कराएं। उन्होंने कहा कि आगामी 1 माह में अभियान चलाकर शत प्रतिशत वनाधिकार पत्र धारी किसानों को पीएम किसान निधि योजना से जोड़ें।

उन्होंने जिले में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण की जानकारी लेते हुए कहा कि समितियों में उर्वरक की

कमी ना हो, साथ ही किसी भी स्थिति में उर्वरक की कालाबाजारी ना हो, इसका विशेष ध्यान रखें। जिले में पर्याप्त मात्रा में बीजों का भी भंडारण रहे और वितरण समय पर हो। उन्होंने समय की मांग के अनुरूप जिले में मिलेट के रकबा वृद्धि की जानकारी और मिलेट उत्पादन सहित सनई और ढेंचा आदि के उत्पादन को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

इसी तरह उद्यानिकी में उन्होंने कहा कि सरगुजा के अनुकूल वातावरण के कारण यहां उद्यानिकी फसलों के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। रिसर्च करके किसानों को बेहतर गुणवत्ता के पौधे उपलब्ध कराएं। सरगुजा में स्ट्राबेरी के अच्छे उत्पादन से किसानों को ज्यादा लाभ मिलने की पहल की सराहना की और मैनपाट में लीची के विभिन्न वैरायटी बॉम्बे अर्ली आदि के उत्पादन हेतु प्रयास के निर्देश दिए।

पशुपालन में कृत्रिम गर्भाधान की नई तकनीकों और बेहतर नस्लों के उपयोग की पहल प्रदेश में सरगुजा में सबसे पहले की गई है, जो पशुपालकों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। प्रभारी मंत्री ने इस पहल की भी प्रशंसा की और इसके साथ लखपति दीदी योजना, रेशम उत्पादन और ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

पीएम जनमन, सड़क कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, जेजीएम सभी बिंदुओं पर हुई समीक्षा

पीएम जनमन में जिले में अच्छी प्रगति पर प्रभारी मंत्री ने संतुष्टि जताते हुए एक माह के भीतर शत प्रतिशत योजनाओं के सैचुरेशन के निर्देश दिए। इस दौरान पीवीटीजी बसाहटों में सड़क कनेक्टिविटी पर चर्चा की गई जिसमें ईई पीएमजीएसवाई ने बताया कि प्रथम चरण में कुल 189 किमी लंबाई की 51 सड़कों का निर्माण किया जाना है। द्वितीय चरण में 31 सड़कों हेतु सर्वे किया गया है जिससे पीवीटीजी बसाहटों में आवागमन सहज हो सके। इसी तरह बैठक में प्रभारी मंत्री ने एनएच अधिकारी से जिले में महत्वपूर्ण बायपास रोड निर्माण के प्रस्ताव पर जानकारी ली।

''एक पेड़ मां के नाम''

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर में किया पौधरोपण महाभियान का शुभारंभ

''एक पेड़ मां के नाम'' पर जशपुर में चलेगा पौधा वितरण महाभियान, महतारी वंदन हितग्राहियों को जिले में 2 लाख से अधिक पौधे वितरित किए जायेंगे

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत जशपुर जिले में पौधरोपण महाभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने दुलदुला में आयोजित कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना की 10 हितग्राही महिलाओं को अमरूद का पौधा व संदेश पत्र भेंट किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जीवनदायिनी धरती माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने और आने वाली पीढियों को अनुकूल वातावरण देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रेरणादायी अभियान, ''एक पेड़ माँ के नाम'' की शुरुआत की है। हमारी सभी माताओं-बहनों को एक पौधा भेंट कर रहा हूँ। यह पौधा प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी के साथ ही उससे हमारे अटूट संबंध को दर्शाएगा। उन्होंने कहा कि पौधे से हमें प्राण वायु मिलता है। जो हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। पौधरोपण से पर्यावरण में सुधार होता है और मानव जीवन के लिए ऑक्सीजन मिलता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने हितग्राही अनिता लकड़ा को अमरूद का पौधा सौंपते हुए पूछा कि पौधा कहां पर लगाएंगे। अनिता ने

बताया कि इसे अपने आंगन में लगाऊंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने हितग्राहियों को पौधे वितरित किए और उन्होंने कहा कि इन पौधों को रोपित कर उन्हें अपने बच्चों की तरह देख-भाल करें। ताकि भविष्य में आने वाले पीढ़ी को इन पौधरोपण का लाभ मिल सके। इस अवसर पर सांसद रायगढ़ श्री राधेश्याम राठिया, विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनि भगत, विधायक पत्थलगांव श्रीमती गोमती साय सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि ''एक पेड़ माँ के नाम'' मुहिम के तहत इस पौध वितरण महाभियान के तहत महतारी वंदन की हितग्राही महिलाओं को जशपुर जिले में 2 लाख से अधिक पौधे वितरित किए जायेंगे। जिला प्रशासन ने इसके लिए पंचायत स्तर पर तैयारी कर ली है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किया 'संकल्प जशपुर' कार्यक्रम का शुभारंभ

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के दुलदुला में सामाजिक जागरूकता व्यवहार परिवर्तन के लिए संचालित संकल्प जशपुर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले में महिलाओं को जागरूक करने बाल विवाह रोकथाम, टीकाकरण, सिकलसेल, सर्पदंश की रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन और यूनिसेफ के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, एनआरएलएम के सहयोग से वॉलिंटियर्स द्वारा 160 से अधिक पंचायतों में जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जनजागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के जरिए कार्यक्रम प्रस्तुत कर सिकलसेल एनीमिया, सर्पदंश से सुरक्षा, जच्चा-बच्चा टीकाकरण, स्कूल चलो अभियान, पौधरोपण के अलावा स्वास्थ्य और

जलजनित बीमारी की रोकथाम और बचाव के उपाय की जानकारी को प्रदर्शित की जा रही है, ताकि आम जनता इससे सीख ले सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने संकल्प कार्यक्रम अंतर्गत वीडियो, कटआउट का विमोचन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण यूनीसेफ के जिला समन्वयक श्री तेजराम सारथी एवं उनकी टीम, जिला प्रशासन और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की धर्मपत्नी ने जशपुर के ताइक्वांडो के खिलाड़ियों को मिठाई एवं मेडल पहन कर दी शुभकामनाएं

खूब मेहनत कर खेल में आगे बढ़े, हमारे द्वारा आपको हर सहयोग प्रदान किया जाएगा–श्रीमती कौशल्या साय

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय से जशपुर जिले के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने भेंट कर अपनी बातों एवं मांगों को रखा। खिलाड़ियों ने राज्य स्तर पर पदक लाकर श्रीमती कौशल्या साय से आशीर्वाद लिया। श्रीमती कौशल्या ने खिलाड़ियों को मिठाई खिलाकर मेडल पहनते हुए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जशपुर जिले में ताइक्वांडो खेल में प्रतिवर्ष खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होते हैं यह हमारे जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा की जो बच्चे राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए हैं वह खूब मेहनत करें और राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि जशपुर में ताइक्वांडो खेल को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा

आप सभी बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए अपना शारीरिक एवं मानसिक स्थिति में बेहतर प्रयास करें जिससे कि जशपुर जिला खेल के क्षेत्र में राज्य ही नहीं बल्कि पूरे देश में अपना नाम ऊंचा कर सके। आप सभी अपने खेल में पूरा समर्पण दे आप सबको बढ़ाने की जिम्मेदारी हमारी है, आपको हर संभव सहयोग हमारे द्वारा किया जाएगा। किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर हम आपके सहयोग के लिए निरंतर त्यतपर हैं। उन्होंने ताइक्वांडो प्रशिक्षण नंदलाल यादव को भी निरंतर नि: शुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि जशपुर जिले के जयस्तंभ चौक स्थित ताइक्वांडो स्टेडियम में प्रतिदिन जिले के खिलाड़ियों को नि: शुल्क ताइक्वांडो का प्रशिक्षण नंदलाल यादव के द्वारा दिया जाता है। जिससे कई खिलाड़ी राष्ट्रीय सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जिले का मन बढा चुके हैं।

जशपुर एसडीएम ने संकल्प के विद्यार्थियों को पढ़ाया भौतिकी

जशपुरनगर। जशपुर एसडीएम श्री प्रशांत कुशवाहा ने आज जिला खनिज निधि न्यास मद से संचालित संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर में विद्यार्थियों को भौतिकी पढ़ाया। विदित हो कि एसडीएम श्री कुशवाहा समय-समय पर संकल्प पहुंचकर विद्यार्थियों को गणित, भौतिक एवं रसायन विषय पढ़ाया करते हैं। उन्होंने आज कक्षा 11 वीं के विद्यार्थियों को भौतिक शास्त्र के गतिकी का अध्यापन कराया। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने सरल रेखीय गति और नियत त्वरण से गति के कान्सेप्ट्स बताए। साथ ही गतिकी के

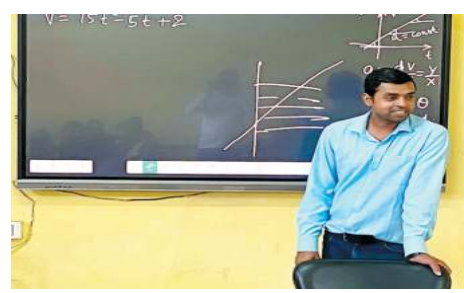

पैरावोला क्वाडरेडिक के ग्राफ प्रदर्शन को समझाया और गतिकी के ग्राफिक्स मेथड को व्याख्या की। विद्यार्थियों

बताया कि एसडीएम के समझाने का तरीका उनको काफी सरल लगता है।

मुख्यमंत्री घोषणा के 24 घंटे के अंदर जिले को मिले दो एंबुलेंस और एक शव वाहन

बगिया में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या साय ने हरी झंडी दिखा कर सेवा के लिए वाहन किया रवाना

जशपुर सहित प्रदेश में तेजी से सुधर रहा है स्वास्थ्य सेवा

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के घोषणा के अनुरूप स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में जिले को दो बड़ी सुविधा मिली है। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या साय ने सोमवार को सीएम कैंप बगिया में दो एंबुलेंस और एक शव वाहन को हरी झंडी दिखा कर जरूरतमंद मरीजों की सेवा के लिए रवाना किया। एंबुलेंस दुलदुला ब्लॉक के करडेगा और फरसाबहार ब्लाक के कोल्हेनझरिया में सेवा देगी। वहीं मुक्तांजली वाहन दुलदुला में सेवा प्रदान करने के लिए तैनात रहेगी।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही रविवार को दुलदुला में आयोजित मतदाता अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा की थी। घोषणा के 24 घंटे से भी कम समय में उनकी घोषणा का सरकार ने पूरा करते हुए जिलेवासियों को सौगात दिया है। इस अवसर पर श्री सुनिल गुप्ता, दुलदुला क्षेत्र की डीडीसी ममता कश्यप, उमा देवी, फरसाबहार के पूर्व जनपद अध्यक्ष वेद प्रकाश भगत, सीएमएचओ डॉ. व्हीके इंदवार भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पदभार सम्हालने के बाद मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने जशपुर सहित पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा को सुधारने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।

सीएम के रूप में शपथ ग्रहण करने के तत्काल बाद मुख्यमंत्री साय ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को एंबुलेंस सेवा में गुणात्मक सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया था। उन्होनें कॉल के आधा घंटा के अंदर मरीज को एंबुलेंस उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही प्रदेश के सभी चिकित्सालयों में सस्ती जेनेरिक दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया था। ताकि मरीजों को महंगी दवाओं से मुक्ति मिल सके। वही गृह जिले जशपुर में स्वास्थ्य सेवा में सुधार लाने के लिए सीएम साय की पहल से दिसंबर 2023 से अब तक जिले को 7 एंबुलेंस और 1 शव वाहन मिल चुके हैं। इससे मरीजों की सेवा में लगे एंबुलेंस की संख्या जिले में बढ़ कर 21 हो चुकी है। इसके साथ ही कुनकुरी में 220 बिस्तर की क्षमता वाली सर्वसुविधा युक्त अस्पताल निर्माण की घोषणा पहले ही हो चुकी है। जिले के 7 उप स्वास्थ्य केन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का दर्जा देते हुए आवश्यक मानव संसाधन जुटाने के लिए स्वीकृति दिया जा चुका है। जिला चिकित्सालय को आदर्श चिकित्सालय के रूप में विकसित करने की घोषणा भी हो चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का लक्ष्य जिलेवासियों को जिले में ही उच्च स्तरीय चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराना है ताकि लोगों को उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर दौड़ लगाने से मुक्ति मिल सके।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख रहे जशपुर प्रवास पर

एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत किया वृक्षारोपण

जशपुरनगर। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही श्रीनिवास राव भा.व.से. 07 जुलाई 2024 को जशपुर वनमण्डल के प्रवास पर रहे। प्रवास के दौरान वन विभाग में चल रहे विभागीय कार्यों का निरीक्षण किया तथा आगामी वर्षों हेतु कार्य योजना से संबंधित क्षेत्रीय वन अमलों को निर्देशित किया गया साथ ही हाथी प्रभावित क्षेत्रों का मौका निरीक्षण कर कर हाथी मित्र दल एवं वन अमला को हाथी प्रबंधन के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

प्रवास के दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा तपकरा परिक्षेत्र के बीट

हाथीबेड में 40.00 हेक्टेयर में आंवला वृक्षारोपण का निरीक्षण किया गया। मौके पर आंवला वृक्षारोपण पूर्ण रूप से सफल पाया गया तथा कार्य की सराहना की गई साथ ही वहाँ सुरक्षा में तैनात वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष श्री डमरूधर का साल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। मौके पर ही प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। प्रवास के दौरान

परिक्षेत्र अधिकारी एवं उप वनमंडलाधिकारी की ली समीक्षा बैठक, आगामी वर्ष हेतु एक्शन प्लान तैयार करने किया निर्देशित

हाथी प्रबंधन एवं भू-जल संरक्षण कार्य अतंर्गत निर्मित अर्दन डेम, पकुटेशन टैंक आदि कार्य का निरीक्षण किया गया। कार्य की सराहना की गई मौके पर स्थानीय ग्रामीणों एवं वन अमला को हाथी प्रबंधन से संबंधित तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया गया और हाथी मानव द्वन्द प्रबंधन को गंभीरता पूर्वक एवं प्रभावशाली ढंग से करने हेतु निर्देशित किया गया। हाथी मित्र के सदस्यों से संवाद किया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया और उन्होंने समस्त परिक्षेत्र अधिकारी एवं उपवनमण्डलाधिकारी की समीक्षा बैठक ली गई। प्रवास के दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा ग्राम बगिया के सूजीबहार में निर्माणाधीन पर्यावरण वाटिका के कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर हो रहे कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ तथा समय से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही उन्होंने जशपुर में इस वर्ष एवं आगामी वर्ष में किये जाने वाले कार्यों का एक्शन प्लान तैयार कर 15 दिवस के अंदर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

जशपुर में दिव्यांगों के लिए बनेगा आदर्श आवासीय परिसर

फरसाबहार में खुलेगा हायर सेकेंडरी स्कूल, बगिया और बंदरचुवा के स्कूलों का आदर्श विद्यालय बनाने की घोषणा

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर में दिव्यांगों के लिए सर्व सुविधायुक्त आदर्श आवासीय परिसर की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने फरसाबहार की बहुत पुरानी मांग पूरी करते हुए वहां हायर सेकेंडरी स्कूल खोलने की भी घोषणा की है। इसके अलावा बगिया और बंदरचुवां के लिए आदर्श विद्यालय की घोषणा भी की है।उल्लेखनीय है कि प्रदेश की साय सरकार निरंतर शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में हाईटेक लाइब्रेरी बनाने और नवा रायपुर में लाईवलीहुड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना करने का निर्णय भी लिया है। इसी तरह साय सरकार के द्वारा हर क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री के गृह ग्राम बगिया में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में सीएम साय ने अपने संबोधन के दौरान जशपुर में दिव्यांगों के लिए आदर्श आवासीय परिसर, फरसाबहार ब्लॉक मुख्यालय में हायर सेकेंडरी स्कूल एवं बगिया और बंदरचुवां के लिए आदर्श विद्यालय की घोषणा की है। ज्ञात हो कि जशपुर जिले का फरसाबहार विकासखण्ड नागलोक के नाम से जाना जाता है। ओडिशा राज्य की सीमा से लगा

सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लिखी जा रही जिले के विकास की गाथा

फरसाबहार विकासखण्ड मुख्यालय में अब तक एक हायर सेकेंडरी स्कूल नहीं खुल पाया है। इसलिए फरसाबहार विकासखण्ड मुख्यालय एवं आसपास के कई गांवों के स्कूली बच्चे 11 वीं और 12वीं की पढ़ाई करने 7 से 10 किलोमीटर तक का सफर तय करके पंडरीपानी जाते हैं। पंडरीपानी ग्राम पंचायत में दो हायर सेकेंडरी स्कूल हैं,लेकिन फरसाबहार विकासखण्ड मुख्यालय में एक भी नहीं। वहां अब तक केवल हाई स्कूल ही है। पर

अब मुख्यमंत्री द्वारा वहां हायर सेकेंडरी स्कूल की घोषणा से क्षेत्र के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में खुशी का माहौल है।

जब मुख्यमंत्री बने शिक्षक और बच्चों को बताया आदर्श विद्यार्थी में होने चाहिए कौन से पांच गुण

जशपुरनगर। बगिया में राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज शिक्षक की भूमिका में दिखे। वे बगिया मिडिल स्कूल के बच्चों के बीच क्लास में पहुंचे। पढ़ाई लिखाई की बातों के बीच उन्होंने संस्कृत के श्लोक- ''काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पहारी गृह त्यागी, विद्यार्थी पंचलक्षणं'' के माध्यम से बताया कि एक आदर्श विद्यार्थी में पांच गुण जरूर होना चाहिए। एक छात्र को कौवे की तरह कभी हार न मानना और लक्ष्यों को पाने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। सारस की तरह अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित्त होकर काम करना चाहिए। श्वान की तरह जरूरत की नींद लें और सतर्क रहें। संतुलित आहार लें और अपने आराम को छोड़कर और कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर चुनौतियों का सामना करने की क्षमता होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों को बताया कि वे भी बगिया के इसी स्कूल से पढ़े हैं। तब यहां प्राइमरी तक की कक्षाएं लगती थीं। छत खपरैल की थी और हम जमीन में बैठ कर पढ़ते थे। हफ्ते में एक दिन सभी बच्चे अपने अपने घरों से गोबर लाकर यहां की लिपाई करते थे। अब तो स्कूल पक्के बन गए हैं। यहां कुर्सी टेबल भी लग गए हैं। शिक्षक भी पर्याप्त हैं। आप सभी मन लगाकर पढ़ें। खूब मेहनत करें, अपने समय का सदुपयोग करें

और ऊंचा मुकाम हासिल करें।

सपने जरूर देखें कि बड़े होकर क्या बनना है

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से पूछा कि वे क्या बनना चाहते हैं। सातवीं की छात्रा पूर्णिमा ने बताया कि वह शिक्षिका बन कर दूसरों को पढ़ाना चाहती हूं। मुख्यमंत्री श्री साय ने नन्ही बच्ची की सोच के लिए उसे शाबाशी दी और कहा शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं। इसी तरह छात्र राजेंद्र राम ने कहा कि वे सेना में जाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने शुभकामनाएं देते हुए बच्चों से कहा कि सभी को बड़े होकर क्या बनेंगे यह सपना देखना चाहिए। सपने देखेंगे तभी आप उसे पूरा करने के लिए प्रयास करेंगे। शिक्षा आपके सभी सपनों को साकार करने का सबसे अच्छा माध्यम है।

बच्चों को सुनाया अपने स्कूली दिनों का किस्सा

मुख्यमंत्री श्री साय बच्चों से बात करते हुए अपने स्कूली दिनों को याद किया और उससे जुड़ा एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि जब वे यहां पढ़ते थे उस दौरान बड़े लोगों में हल्ला था कि गले में सुई लगा रहे हैं। एक बार हमारे स्कूल के बाहर एक गाड़ी आकर रूकी तो हम सबको लगा सुई लगाने कोई आया है और हम सब स्कूल की खिड़की से कूद कर भाग गए। तब यहां ग्रिल नहीं लगा होता था और सिर्फ चौखट होती थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा अपने सहपाठियों के साथ बिताए पल ताउम्र मीठी याद बनकर रह जाते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

किसानों को योजना के सभी नियमों एवं शर्तों की दें संपूर्ण जानकारी

बलरामपुर । कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की संयुक्त बैठक ली।

बैठक में कलेक्टर श्री एक्का ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत विकासखण्डवार प्राप्त आवेदनों के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि सभी किसानों को योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी के साथ बीमा के सभी शर्तों की जानकारी होनी चाहिए, इस हेतु गांव-गांव में किसानों तक पहुंचकर उन्हें फसल बीमा योजना के सभी नियमों एवं शर्तों की संपूर्ण जानकारी प्रदान करें।

मैदानी स्तर पर जाकर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से किसानों में योजनाओं के प्रति जागरूकता लाएं। जिससे अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने ग्रामीण विस्तार अधिकारी के साथ-साथ बीमा योजना के विकास खण्ड स्तरीय प्रतिनिधियों को किसानों के सतत संपर्क में रहने एवं उन्हें योजना का लाभ लेने के लिए जागरूक करने को कहा। श्री एक्का ने इसके लिए व्यापक स्तर पर योजना का प्रचार-प्रसार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर फसल बीमा के संबंध में किसानों को बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। जिससे निर्धारित समयावधि में किसान योजना का लाभ लेने के लिए अपना पंजीयन करा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए पीवीटीजी, पण्डो समुदायों को प्राथमिकता से योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। साथ ही दूरस्थ अंचलों में पहुंचकर शासन की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराते हुए लाभान्वित करें।

उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि केसीसी प्रकरण के संबंध में भी जानकारी लेते हुए संबंधित बैंकों से समन्वय बनाते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने खाद-बीज की उपलब्धता एवं वितरण के संबंध में जानकारी ली एवं संबंधित अधिकारियों को केन्द्रों का निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिये।

कृषि अधिकारी श्री शिव प्रसाद ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी सहकारी समिति, पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर अपने फसलों का निर्धारित अवधि में बीमा कराएं। जिसमे खरीफ फसलों के लिए 31 जुलाई एवं रबी फसल के लिए किसान 31 दिसंबर 2024 तक पंजीयन करा सकते हैं। जिससे प्राकृतिक आपदाओं, कीटों एवं अन्य बीमारियों से फसलों को होने वाली हानि का लाभ किसानों को मिल सके।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारी श्री पतराम सिंह ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत आधार वर्ष 2024-25 तथा 2025-26 के खरीफ एवं रबी फसलों के लिए फसल बीमा योजना लागू की गई है। जिसमें जिले के कृषकों को योजना के अंतर्गत अधिसूचित फसलों का प्राकृतिक आपदाओं, ओलावृष्टि, अधिक तापमान, सूखा, इत्यादि की स्थिति में बीमा संरक्षण और आर्थिक सहायता बीमा कंपनी द्वारा दिया जाएगा। इसके साथ ही उद्यानिकी फसलों में खरीफ मौसमों के लिए टमाटर, बैंगन, पपीता, केला, अमरूद, मिर्च, अदरक का बीमा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीमा की शर्तों के अनुसार फसल बुआई से लेकर कटाई के दौरान हुई क्षति के लिए दावा किया जा सकता है।

खरीफ फसलों के लिए 31 जुलाई एवं रबी फसल के लिए 31 दिसंबर 2024 तक किसान करा सकते है बीमा

जिला प्रशासन के त्वरित कार्यवाही से शत्रुघ्न को मिली अनुकंपा नियुक्ति

बलरामपुर। जनपद पंचायत शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत भुनेश्वरपुर में पदस्थ पंचायत सचिव स्वर्गीय श्री शिवप्रसाद का आकस्मिक निधन हो जाने के कारण, मृत्यु उपरांत उनके आश्रित पुत्र श्री शत्रुधन नागेश के द्वारा अनुकंपा नियुक्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदक द्वारा सभी वांछित दस्तावेज प्रस्तुत किये गये थे। जैसे ही आवेदन जिला प्रशासन के संज्ञान में आया तो कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का द्वारा इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुये जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील को आवेदन

अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। इसके साथ ही पात्र आवेदक को शीघ्र अनुकंपा के तहत योग्यता अनुरूप पद देने के लिए निर्देशित किया गया। आश्रित पुत्र को शीघ्र पद प्राप्त हो इसके लिये जिला पंचायत सीईओ द्वारा निर्देशों का पालन किया गया और अनुकंपा नियुक्ति की कार्यवाही पूर्ण किया गया, जो जिला प्रशासन के संवेदनशील कार्यशैली का परिचायक है। श्री शत्रुघ्न नागेश की पदस्थापना ग्राम पंचायत सचिव के पद पर 03 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की गई है।

कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

बलरामपुर। कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने कलेक्ट्रेट कक्ष में जल संसाधन विभाग की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने जिले में नहर सहित अन्य कार्यों के स्वीकृत कार्य एवं अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। बैठक में जल संसाधन बलरामपुर ईई श्री एस.के. मिंज, रामानुजगंज ईई श्री लोकेश मिश्रा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री एक्का ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से विभाग अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखते हुए बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने वित्तीय वर्ष वार स्वीकृत कार्यों, प्रशासकीय स्वीकृति, हुए नहर निर्माण कार्यों में जल भराव की स्थिति, भू अर्जन की

स्थिति, भुगतान, मुआवजा प्रकरण इत्यादि के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों को सभी कार्यों के अद्यतन स्थिति का रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ''एक पेड़ माँ के नाम''

बलरामपुर वन मंडल क्षेत्र सेमली मोड़ में महावृक्षरोपण का हुआ आयोजन

बलरामपुर। जिले में ''एक पेड़ पेड़ मां के नाम'' अभियान तहत महावृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत सेमली मोड़ बलरामपुर वन मंडल परिक्षेत्र में जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों एवं ग्रामीणों के द्वारा अपनी मां के नाम पर विभिन्न फलदार पौधे जैसे पीपल, बरगद आदि पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित एवं कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने मीलिया दुबिया पौधे का रोपण कर ''एक पेड़ माँ के नाम'' से रोपने और उसकी सुरक्षा के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उपस्थित जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील ने बरगद के पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने का संदेश दिया। साथ ही ग्रामीणजनों, स्कूली बच्चों ने भी अपने परिजनों के साथ ''एक पेड़ मां के नाम'' पौधा रोपा।

इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि ये जो सृष्टि है जहां जीने के लिए सभी को ऑक्सीजन की जरूरत होती है और बिना वृक्ष यह संभव नहीं है। इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारा दायित्व है। विभिन्न कारणों से आज जंगल सीमित हो गए है जिसका दुष्परिणाम बढ़ता तापमान, असामयिक मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। हमे आपसी सहयोग से वृक्षों का संरक्षण करना है, जिसके लिए सभी

को आगे बढ़ कर वृक्षारोपण और संरक्षण में योगदान देना है। ''एक पेड़ मां के नाम'' की उपयोगिता तब सिद्ध होगी जब बच्चों की तरह पौधों का भी देखभाल करें, समय से पानी, आवश्यताओं को पूरा करते हुए बड़ा करना है और आने वाली पीढ़ियों को भी वनों के महत्व को समझाते हुए इसके दोहन को रोकना है। जिससे हमारे जीवन के लिए वन को बचाया जा सके। कलेक्टर श्री एक्का ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जिले में वन विभाग के द्वारा वृक्षारोपण का वृहद अभियान कराया जा

बेहतर भविष्य के लिए जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, ग्रामीणों ने अभियान के तहत रोपा पौधा

रहा है। उन्होंने कहा कि सभी ''एक पेड़ मां के नाम'' पौधा अवश्य रोपण करें। जिससे हमारी धरती हरी-भरी बनी रहेगी और पर्यावरण संरक्षण से आगामी सालो में स्थिति बेहतर हो इसके लिए प्रतिदिन इसका रखरखाव भी जरूरी है और इसमें सभी का सहयोग आवश्यक है।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील ने ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि हम सभी को अपने माँ के नाम से एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपनी माँ का तरह ही इस पेड़ का ख्याल रखते हुए सहेजना भी है। वन ही हमारे जीवन का आधार हैं। आज पेड़ पौधों की कमी के कारण वातावरण में लगातार गर्मी बढ़ रही है। इससे बरसात भी कम होने लगी है। इसलिए प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने और हमारे जीवन को संरक्षित रखने के लिए पौधों को संरक्षण करना जरूरी है। प्रभारी वनमण्डलाधिकारी श्री अशोक तिवारी ने कहा कि पर्यावरण दिवस पर ''एक पेड़ मां के नाम'' शुभारंभ किया गया है। इस माध्यम से पौधों का रोपण और संरक्षण करते हुए अमूल्य पौधों को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। इसके साथ ही पंचायत स्तर पर ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से वृक्षारोपण कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत डौरा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

56 आवेदनों का त्वरित निराकरण

हितग्राही मूलक योजनाओं से 68 लोगों को किया गया लाभान्वित

बलरामपुर। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों, आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पंचायत डौरा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्जलित कर किया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाश दीक्षित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कार्यक्रम परिसर में ''एक पेड़ मां के नाम'' फलदार पौधे का रोपड़ किया। तत्पश्चात सभी अतिथियों ने शिविर में विभिन्न विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया और हितग्रहियों को मिल रहे लाभ के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने 7 नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया एवं शिशुवती माताओं को पौष्टिक आहार अपने बच्चों को खिलाने प्रोत्साहित किया। स्वास्थ्य विभाग की स्टाल में जनपद उपाध्यक्ष श्री दीक्षित एवं कलेक्टर श्री एक्का ने रक्तचाप और शुगर का टेस्ट कराते हुए अपना स्वास्थ्य जांच कराया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाश दीक्षित ने कहा कि जनसामान्य की समस्याओं के समाधान तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता लाने एवं लाभान्वित करने के लिए आपके द्वार पर ही जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया है। शासन-प्रशासन आप लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत जनसामान्य को लाभान्वित करने के दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से निम्न वर्गीय परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, महिलाओं को सशक्त बनाने महतारी वंदन जैसी योजनाएं चलाई जा रही है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी भी दी गई। जिसके माध्यम से सभी लाभ लेने आगे आए और जनसमस्या निवारण शिविर का सभी नागरिक शत् प्रतिशत लाभ उठायें। उन्होंने मुख्यमंत्री के मंशानुरूप अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा सहयोग करने की बात कही तत्पश्चात कलेक्टर श्री एक्का ने जल शक्ति से नारी शक्ति अभियान अन्तर्गत जल संरक्षण को बढ़ावा देने और हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

जल शक्ति से नारी शक्ति अभियान अंतर्गत जल संरक्षण की दिलाई गई शपथ

प्राप्त आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

शिविर में कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के मार्गदर्शन में समस्त विभाग के जिलाधिकारी सम्मिलित हुए, जिनके द्वारा ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 141 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे से 56 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। शेष 82 आवेदनों का निर्धारित समयावधि में निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों का विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों द्वारा यथाशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये।

शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

शिविर में आमजनों को हितग्राही मूलक जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई, साथ ही हितग्राहियों को सामग्री वितरण भी किया गया। खाद्य विभाग द्वारा 6 परिवारों को राशन कार्ड वितरण, समाज कल्याण विभाग द्वारा तीन दिव्यांगों को ई रिक्शा, 10 दिव्यांगों को स्टिक, उद्यान विभाग द्वारा 13 किसानों को सब्जियों का बीज वितरण ,कृषि विभाग द्वारा पांच किसानों को मक्का बीज एवं 10 किसानों को कोदो कुटकी, श्रम विभाग द्वारा 10 लोगों को श्रम कार्ड का वितरण किया गया इसके साथ ही शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा पांच सिकल सेल रोगियों को सिकल सेल पहचान कार्ड एवं 6 लोगों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया।

लाभान्वित हितग्राहियों ने किया शासन का धन्यवाद

लाभान्वित हितग्राहियों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह शासन-प्रशासन की एक अच्छी पहल है। जिससे जिले का पूरा विभागीय अमला उनके गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनते हुए तुरंत निराकरण कर रहे है। ग्राम गोविंदपुर निवासी श्रीमती मीरावती ने बताया कि जन समस्या निवारण शिविर में स्वास्थ्य विभाग का स्टाल लगा है, तो वे यहां आकर स्वास्थ्य जांच का लाभ लेकर अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त किए।

प्रशासन की तत्परता से आदिवासी जमीन से अवैध कब्जा हटाकर दिलाया गया स्वामित्व

राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम की कार्यवाही से भूमि स्वामी को मिला मालिकाना हक

बलरामपुर। जिले में भू-राजस्व संहिता 1959 के धारा 170(ख) के तहत् आदिवासी भूमि पर गैर आदिवासी द्वारा अवैध कब्जा एवं अवैध निर्माण और खरीदी बिक्री पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के निर्देशानुसार राजस्व व पुलिस के अमले ने ऐसे ही प्रकरण पर कार्यवाही की है। विकासखंड कुसमी के ग्राम कंजिया में आदिवासी स्वामित्व की भूमि खसरा नम्बर 532/15 रकबा 0.036 हेक्टेयर पर अतिक अंसारी द्वारा बिना किसी विधिपूर्ण प्राधिकार के काबिज को हटाकर वास्तविक भू-स्वामी को कब्जा दिलाया गया है।

ज्ञातव्य है कि अनुसूचित जनजाति की भूमि पर बिना किसी विधि प्राधिकार के किये गये कब्जे को धारा 170(ख) के प्रकरण में सुनवाई के उपरांत भूमि स्वामी को स्वत: कब्जा हटाने के लिए एक माह का समय दिया गया था। एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कब्जा नहीं हटाने पर 8 जुलाई को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री करूण डहरिया के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस की टीम द्वारा किये गये उक्त अवैध कब्ज़ा को हटाया गया और वास्तविक भूमि स्वामी को पुन: कब्जा दिलाया गया।

इस दौरान तहसीलदार श्री शशिकांत दुबे, राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम तथा ग्रामीणजन मौजूद थे।

प्रधान मुख्य वनसंरक्षक एवं वन बल प्रमुख छत्तीसगढ़ ने वनमंडल बलरामपुर में किया भ्रमण

''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत् किया पौध रोपण

बलरामपुर। श्री व्ही. श्रीनिवास राव (आईएफएस) प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख छत्तीसगढ़ रायपुर 05 जुलाई से सरगुजा वृत के विभिन्न वनमंडलो में वानिकी कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। जिस क्रम 07 जुलाई को वन मण्डल बलरामपुर अन्तर्गत परिक्षेत्र राजपुर में दौरा किया। श्री राव ने राजपुर परिक्षेत्र के बीट-ककना अंतर्गत ''किसान वृक्ष मित्र योजना'' वर्ष-2024 के हितग्राही श्री आकाश गर्ग के 05 एकड़ निजी भूमि में रोपित बांस व सागौन के पौधों का निरीक्षण किया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लांच की गई ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत पौधा रोपण कर प्रदेशवाशियों से ''एक पेड़ मां के नाम'' से पौधा रोपण करने हेतु अपील की। इस दौरान उन्होंने कक्ष क्रमांक पी 2724 में फलदार वृक्षारोपण क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने कार्ययोजना के अनुसार टीम वर्क से वानिकी कार्यों को

करने हेतु सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान श्री माथेस्वरन वी. मुख्य वन संरक्षक सरगुजा वनवृत्त के नेतृत्व में सरगुजा वनवृत्त के सभी वनमंडलाधिकारी जिसमें सरगुजा से श्री थेजस शेखर, सूरजपुर से श्री पंकज कुमार कमल, कोरिया से श्रीमती प्रभाकर खलखो, मनेन्द्रगढ़ से मनीष कश्यप, बलरामपुर से अशोक तिवारी , उप निदेशक एलिफेंट रिजर्व सरगुजा श्री तनेटी एवं वनमंडल बलरामपुर के सभी उप वन मंडलाधिकारी एवं वन परिक्षेत्राधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री नेताम ने शंकरगढ़ में आकांक्षी ब्लॉक अंतर्गत ''संपूर्णता अभियान'' का किया शुभारंभ

संपूर्णता अभियान के तहत् बुनियादी, सामाजिक एवं आर्थिक विकास की होगी लोगों तक पहुंच- मंत्री श्री नेताम

बलरामपुर। जिले में नीति आयोग के द्वारा आकांक्षी ब्लॉक योजना ''सम्पूर्णता अभियान'' कार्यक्रम का शुभारंभ शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय शंकरगढ़ में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास, विछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास व कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री श्री रामविचार नेताम, सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज, सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेना जमील तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम के अवसर आदिम जाति कल्याण तथा कृषि विभाग के मंत्री श्री रामविचार नेताम ने संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नीति आयोग द्वारा विकासखण्ड शंकरगढ़ में आकांक्षी ब्लॉक परियोजना के तहत ''सम्पूर्णत अभियान'' का शुभारंभ किया गया है, जिसके तहत् शासन की कई योजनाओं का लाभ आप को मिलेगा। हमारे देश में कई ऐसे आदिवासी बाहुल्य जिले हैं जहां विकास आज भी पूर्ण रूप से नहीं पहुंच पाया है, ऐसे 100 जिलों का चयन किया गया। आकांक्षी जिलों के पश्चात गत वर्ष प्रधानमंत्री द्वारा निर्णय लिया कि जिलों में कई ब्लॉक ऐसे भी हैं जिनका पूर्ण विकास नहीं हो पाया है। जिसमें शंकरगढ़ ब्लॉक का भी चयन किया गया है। इसके माध्यम से समस्त विभाग की योजनाओं को 03 महीने में आप लोगों तक पहुंचाया जाएगा। बिजली, पेयजल, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास तथा अन्य योजनाएं आप तक सीधे पहुंचेगी। इस योजना में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को सशक्त बना कर उनके जीवन को आगे बढ़ाया जायेगा। इस योजना के तहत हर विभाग को लक्ष्य दिया गया है जिसे पूरा किया जाएगा। जब हमारे गांव विकसित होंगे तो हमारा ब्लॉक व जिला भी विकसित होगा।

''संपूर्णता अभियान'' को सफल बनाने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारी करें सहयोगः-सांसद श्री महाराज

कार्यक्रम में उपस्थित सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने आंकाक्षी ब्लॉक परियोजना के तहत् सम्पूर्णता अभियान के शुभारंभ होने पर उपस्थित लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक के संपूर्णता अभियान के सभी मानकों को सभी की सहभागिता से पूर्ण किया जाना है। इस अभियान के तहत् महिलाओं में आर्थिक संबलता और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करायी जाएगी। साथ ही किसानों के लिए मृदा परीक्षण की सुविधा से बेहतर कृषि कर उत्पादन को बढ़ाया जा सकेगा। शंकरगढ़ के विकास की दिशा में आकांक्षी विकासखण्ड के लक्ष्यों को हासिल करना हमारे लिए महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने ''संपूर्णता अभियान'' को सफल बनाने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों को सहयोग करने की बात कही।

सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा ने कहा कि नीति आयोग के द्वारा चयनित विकासखण्ड में हमारा शंकरगढ़ विकासखण्ड भी शामिल है। जिसके तहत् शंकरगढ़ के हर एक ग्राम पंचायतों में शासन की योजनाओं को पहुंचाया जाएगा। शासन दूर-दराज के पिछड़े इलाकों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे इलाकों में विकास सुनिश्चित करने के लिए अकांक्षी ब्लॉक योजना के माध्यम से शासन की सभी योजनाओं को धरा पर उतारकर सीधे आप तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शसक्त बनाया जाएगा तथा बच्चों को कुपोषण से मुक्ति मिलेगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, आवास, शौचालय क्षेत्र के हर गांव में पहुंचेगी जिससे हमारा शंकरगढ़ विकसित हो जाएगा। इसके लिए मैं देश के प्रधानमंत्री को धन्यवाद देती हूं।

कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने आकांक्षी विकासखण्ड के तहत सम्पूर्णता अभियान की रूप-रेखा के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरका के नीति आयोग द्वारा चयनित 400 ब्लॉकों में शंकरगढ़ ब्लॉक का भी चयन आकांक्षी ब्लॉक के रूप में किया गया है। नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानकों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के लिए निरंतर कार्य एवं समीक्षाएं की जा रही है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग अपेक्षित है, तभी हम आकांक्षी विकासखण्ड के सभी निर्धारित मानको को उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकेंगे।

क्या है आकांक्षी विकासखण्ड के सूचकांक

ज्ञातव्य है कि आकांक्षी विकासखण्ड, वे विकासखण्ड हैं जो खराब सामाजिक आर्थिक संकेतकों से प्रभावित हैं। ऐसे क्षेत्रों के विकास के लिए नीति आयोग द्वारा 04 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक 03 महीने का ''संपूर्णता अभियान'' आरंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य देश भर के आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉकों में 06 प्रमुख संकेतकों की परिपूर्णता अर्जित करने के लिए निरंतर प्रयास करना है। इस ''सम्पूर्णता अभियान'' के तहत देश के सभी आकांक्षी ब्लॉकों में 06 चिन्हित केपीआई पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सूरजपुर जिले के कुल 147 श्रद्धालु श्री राम लला के दर्शन के लिए अयोध्या धाम रवाना

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा जिले के स्थानीय निवासियों को अयोध्या धाम यात्रा की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई है। श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) यात्रा योजना 2024 के तहत आज विशेष ट्रेन द्वारा अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम के लिए जिले के 147 श्रद्धालु रवाना हुए। जिसमें सूरजपुर से 49, रामानुजनगर से 32, भैयाथान से 27, प्रतापपुर से 35 तथा 4 शामिल हैं। गौरतलब है कि श्रद्धालुओं को अंबिकापुर पहुंचने के पश्चात स्पेशल ट्रेन से बनारस (बाबा विश्वनाथ) के दर्शन कराते हुए प्रभु रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या धाम प्रस्थान करेगें। यह यात्रा कुल 04 दिनों की होगी।

पीएम आवासः राशि लेने के बाद निर्माण पूरा नहीं करने वाले हितग्राहियों को नोटिस जारी

सूरजपुर। ग्रामीण इलाकों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि प्राप्त कर आवास निर्माण नहीं कराने वाले हितग्राहियों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही हैं। गौरतलब है कि पीएम आवास योजना की राशि मिलने के बावजूद आवास निर्माण नहीं किए जाने की शिकायत पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने उचित कार्यवाही हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है।

उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत भैयाथान के 78 ग्राम पंचायतों में आवास बनाने की मंजूरी दी गई थी। जिसमें 491 हितग्राहियों के द्वारा आवास निर्माण के लिए राशि लेने के बाद भी काम पूरा नहीं किया जा सका हैं। हितग्राहियों द्वारा लापरवाही पूर्वक आवास निर्माण के नाम पर राशि लेने के बाद कही और राशि खर्च कर दी गई। जिसकी वजह से अब तक आवास निर्माण पूरा नहीं हो सका हैं। ऐसे हितग्राहियों को एसडीएम श्री सागर सिंह द्वारा नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया हैं।

विकासखंड समन्वयक अमित कुमार खैरवार ने बताया कि अधूरे आवासों की सूची एसडीएम को भेज दी गई है। जिसमें 491 हितग्राही ऐसे हैं जिन्होंने अपना आवास का निर्माण पूरा नहीं कर सके हैं। वहीं 269 ऐसे हितग्राही है जिन्होंने अपना प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पहली किस्त की राशि लेने के बाद निर्माण शुरू ही नहीं किया हैं। एसडीएम श्री सागर सिंह ने बताया कि जिन हितग्राहियों का आवास अधूरा है, उन्हें नोटिस भेजा गया हैं। उन्हें बुला कर आवास अधूरा होने का कारण पूछा जा रहा हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि राशि मिलने के बाद आवास निर्माण कार्य पूरा नहीं करने वाले हितग्राहियों से राशि रिकवरी की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली अधोसंरचनाओ को और करें बेहतरः- कलेक्टर

समय सीमा की बैठक हुई संपन्न

सूरजपुर। आज समय सीमा की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में रखी गई थी। जिसमें कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने जिले में संचालित सभी योजनाओं की विभागवार जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, सर्व एसडीएम सहित अन्य संबंधित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर जिले में शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूलों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधोसंरचना को बेहतर करने के निर्देश दिए। शाला प्रवेश, स्कूलों में साफ सफाई की अच्छी व्यवस्था एवं स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उल्लास कार्यक्रम के तहत साक्षरता कार्यक्रम को शत प्रतिशत रूप में लागू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने गहन डायरिया नियंत्रण कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए इसके सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिये स्वास्थ्य विभाग को कहा। साथ ही समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ को स्पष्ट निर्देश दिए कि लोगों के घर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो जिसके लिए सैंपल की

जांच कराएं।

कलेक्टर ने समीक्षा करते हुए कृषि, सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को खाद, बीज, रासायनिक उर्वरक तथा कीटनाशकों की आसानी से उपलब्धता सुनिश्चित कराएं एवं उनकी उपलब्धता की नियमित मॉनिटरिंग करें और कृषकों के साथ नियमित संपर्क में रहें।

इसके अलावा बैठक में उन्होंने लंबित पेंशन प्रकरणों को शीघ्र निपटाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देश दिए। जिले में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को पूर्णतः सफल बनाने के लिए इसके अंतर्गत सभी निर्देशों को लागू करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्षा ऋतु को देखते हुए भूमिगत जल रिचार्ज के लिए वाटर हार्वेस्टिंग कार्यक्रम को सफलता पूर्वक लागू करने को कहा। साथ ही सभी शासकीय भवनों में शतप्रतिशत रूप में वाटर हार्वेस्टिंग लगाने के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होंने जल जीवन मिशन, सुरक्षित मातृत्व अभियान, चिरायु योजना, राशन कार्ड निर्माण की स्थिति, स्वच्छा ग्राहियों का शत प्रतिशत ई पंजीयन का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी की स्थिति, बच्चों में कुपोषण की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

विधायक भूलन सिंह मराबी के द्वारा कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र किये गए वितरित

सूरजपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनपुर में नीट फाऊंडेशन एवं इंडस टावर के संयुक्त तत्वाधान में डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन वेन के द्वारा कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री भूलन सिंह मरावी विधायक प्रेमनगर, श्री विजय सिंह सरपंच ग्राम पंचायत सोनपुर, श्री मानिक राम सरपंच ग्राम पंचायत आमगांव, उमाशंकर साहू, राजकुमार साहू उपसरपंच सोनपुर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामानुजनगर श्री पंडित भारद्वाज, अजीत कुमार गुप्ता प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनपुर, रमेश कुमार गुप्ता प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल पटना, श्री जितेंद्र राठौर प्रशिक्षण के प्रभारी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत से हुआ तत्पश्चात प्राचार्य का स्वागत उद्बोधन एवं सभी

अतिथियों का उद्बोधन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के द्वारा बच्चों से सीधा संवाद कर उनके भविष्य के लक्ष्य के बारे में जानकारी ली गई तथा उन्हें नए उत्साह के साथ पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। नव प्रवेशी छात्राओं को चंदन तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर पुस्तक वितरित किया गया तथा कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन राकेश कुमार गौतम व्याख्याता के द्वारा किया गया कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, पालक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे

वृक्षारोपण एवं प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा हमारा मौलिक कर्तव्यः कलेक्टर

वृक्षारोपण करना स्वस्थ पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक : पुलिस अधीक्षक श्री अहिरे

सूरजपुर। आज जिला मुख्यालय में स्थित शिव पार्क में एक 'पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कलेक्टर श्री रोहित व्यास एवं पुलिस अधीक्षक श्री एम आर अहिरे द्वारा पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री व्यास ने बताया कि वृक्षारोपण एवं प्राकृतिक पर्यावरण (वन, वन्यजीव, झील, नदी इत्यादि) की रक्षा को संविधान में देश की जनता के मौलिक कर्तव्य के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि हम सभी को पौधारोपण एवं पर्यावरण की रक्षा करने के हरसंभव उपाय करने चाहिए। पृथ्वी के पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए वृक्षों का होना आवश्यक है। इसके लिए सभी लोगों को ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ पर्यावरण एवं जलवायु को बेहतर करने के उद्देश्य से किया गया है। अतः सभी जिलेवासी इस अभियान में शामिल होकर इसे सफल बनाएं।

उन्होंने कहा कि सभी अपनी माता के साथ या माता के नाम पर या माता को श्रद्धांजलि देते हुए कम से कम एक पेड़ तो अवश्य लगाएं। साथ ही इस पेड़ को अपने मातृतुल्य सम्मान देते हुए उसकी देखभाल करें। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि पेड़ों को

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वन विभाग द्वारा आयोजित किया गया वन महोत्सव कार्यक्रम

कलेक्टर एवं एसपी ने किया पौधारोपण

लगाने में ऐसी जगह का चयन करें जहां आप उसकी देखभाल बेहतर तरीके से कर सकें। कलेक्टर ने कहा कि बीते ग्रीष्म ऋतु में तापमान बहुत ज्यादा रहा यह भी हमारे पर्यावरण में हो रहे असंतुलन की ओर इशारा करता है। कभी ज्यादा बारिश होना तो कभी बिलकुल बारिश न होना, इसी प्रकार शीत ऋतु में काफी बदलाव दिखाई देना यह सभी पर्यावरण असंतुलिन की ओर इंगित करता है। उन्होंने वृक्षारोपण करने वाले सभी शासकीय विभागों को कहा कि वृक्षारोपण अभियान की सफलता के लिए वृक्षारोपण पश्चात उसकी नियमित रूप से ऑडिटिंग आवश्यक है। वृक्षारोपण के पश्चात सही तरीके से देखभाल एवं आडिटिंग से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर जिले के पुलिस अधीक्षक श्री अहीरे ने कहा कि वृक्षारोपण करना स्वस्थ पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक है। इससे न केवल पर्यावरण की वायु शुद्ध होती है बल्कि वन्य जीव जंतुओं को आवास भी मिलता है। उन्होंने कहा कि जिस गति से जंगल का विनाश हो रहा है उस गति से वृक्षारोपण नहीं किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने जनता से अपील किया है कि वृक्षारोपण में जनता पूर्ण रूप से सहभागी होकर अभियान को सफल बनाए। इस अवसर पर सूरजपुर नगरपालिका के अध्यक्ष श्री के.के. अग्रवाल सहित जिले के अन्य जनप्रतिनिधि तथा वनविभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

''उल्लास'' कार्यक्रम के तहत् 2025 तक जिले में 35 हजार असाक्षरों को किया जाएगा साक्षर

सूरजपुर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास की उपस्थिति में संयुक्त जिला कार्यालय सूरजपुर के सभाकक्ष में जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सदस्यों का समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। बैठक में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु कार्यक्रम के बारे में जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम ललित पटेल द्वारा समस्त अधिकारियों को विस्तार पूर्वक बताया गया। कलेक्टर ने उल्लास कार्यक्रम के घटकों पर चर्चा करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में पूरी कोशिश रहे कि सभी त्रुटि रहित कार्य कर असाक्षरों को इस कार्यक्रम से जोड़ सकें। आज के परिवेश को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति का डिजिटल साक्षर होना आवश्यक है। इसके साथ ही जीवन कौशल, चुनावी साक्षरता, बुनियादी साक्षरता, सतत शिक्षा, कानूनी साक्षरता इत्यादि भी जरूरी है। पूरा प्रयास रहे कि जिले के प्रत्येक व्यक्ति को पूर्ण रूप से

साक्षर कर सकें। मार्च 2025 तक 35000 असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य जिले को प्राप्त हुआ है। नई शिक्षा नीति 2020 के एक घटक के रूप में उल्लास कार्यक्रम को आरम्भ किया गया है, जिसके तहत् सर्वप्रथम डाटा सर्वे का कार्य किया जा रहा है। सर्वे-डाटा एंट्री का कार्य पूर्ण होने उपरांत राज्य कार्यालय के दिशा निर्देश में स्वयंसेवी शिक्षकों का प्रशिक्षण तथा कक्षा संचालन प्रारंभ किया जायेगा।

स्कूल भवनों का परीक्षण कर सभी अधोसंरचनाओ को करें बेहतरः- कलेक्टर

'भूमिगत जल रिचार्ज के लिए वाटर हार्वेस्टिंग कार्यक्रम का करें सफल क्रियान्वयन'

सूरजपुर ।आज समय सीमा की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में रखी गई थी। जिसमें कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने जिले में संचालित सभी योजनाओं की विभागवार जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर व अन्य संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर जिले में शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूलों में साइकिल, किताब एवं गणवेश वितरण की जानकारी लेते हुए स्कूल भवनों में अधोसंरचना को बेहतर करने के निर्देश दिए। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने, स्कूलों में साफ सफाई की अच्छी व्यवस्था एवं स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बच्चों के शाला प्रवेश के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा उल्लास कार्यक्रम के तहत साक्षरता कार्यक्रम को दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लागू करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिले के नवोदय विद्यालय में रिमोट क्षेत्र के बच्चों को प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

गौरतलब है कि गहन डायरिया नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत स्पॉट डायरिया कैम्प का संचालन 01 जुलाई से 31 अगस्त तक किया जाना है। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने इसके सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिये स्वास्थ्य विभाग को कहा। जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य केंद्र में ओआरएस, जिंक व अन्य संबंधित दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो। इसके साथ ही उन्होंने नगरीय निकाय व नगर पंचायत के सीएमओ को स्पष्ट निर्देश किये की लोगों के घर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो जिसके लिए सैंपल की जांच कराएं।

इसके साथ ही कलेक्टर ने समीक्षा करते हुए कृषि, सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को खाद, बीज, रासायनिक उर्वरक तथा कीटनाशकों की आसानी से उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इनके उपलब्धता की नियमित मॉनिटरिंग करें और कृषकों के साथ नियमित संपर्क में रहें।

इसके अलावा उन्होंने लंबित पेंशन प्रकरणों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को पूर्णतः सफल बनाने के लिए इसके अंतर्गत सभी निर्देशों को लागू करवाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने वर्षा ऋतु को देखते हुए भूमिगत जल रिचार्ज के लिए वाटर हार्वेस्टिंग कार्यक्रम को सफलता पूर्वक लागू करने को कहा। उन्होंने जिले में कार्यरत सभी स्वच्छाग्रहियों का शत प्रतिशत ई श्रम कार्ड पंजीयन करवाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ को विकसित करने संचालित किए जा रहे कार्यक्रम अमृतकाल विजन ञ्2047 के लक्ष्यों के लिए शत प्रतिशत संतृप्तता प्राप्त करने के लिए कार्य करने को कहा।

डायरिया रोकथाम हेतु–स्वच्छ पेयजल के लिये पानी का नियमित सैंपल लेकर कराएं जांच

करवाएं स्वच्छाग्रहियों का शत प्रतिशत ई श्रम कार्ड पंजीयन

सार्वजनिक बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के दिशा में कार्य करें सभी अधिकारी

अमृतकाल विजन @2047 के तहत तय लक्ष्यों के लिए शत प्रतिशत संतृप्तता प्राप्त करने के लिए करें प्रयास

जनसमस्या निवारण शिविर लोगों के लिए एक सुअवसर, सभी उठाएं इसका लाभः मंत्री श्रीमती राजवाड़े

जिला प्रशासन आमजनों के समस्याओं के निवारण के लिए कर रही है भरसक प्रयासः कलेक्टर व्यास

सूरजपुर। आज जिले के लटोरी तहसील अंतर्गत ग्राम पाठकपुर में जिला स्तरीय समस्या निवारण शिविर 'समाधान शिविर' का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों के द्वारा शिकायतों एवं समस्याओं को लेकर 122 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शिविर स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए स्टॉलों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर उन्हें पोषाहार प्रदान किया साथ ही बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सामग्री का वितरण करते हुए सभी लोगों से शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आग्रह किया।

आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि आज आपके गांव में शासन के साथ पूरा प्रशासन तंत्र आपके समस्याओं के निराकरण के लिए उपस्थित हुआ है। उन्होंने सभी ग्राम वासियों से अपील करते हुए अपने सभी समस्याओं को उपस्थित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों के समक्ष रखने को कहा। उन्होंने कहा कि यह आपके लिए एक सुअवसर है जब आपकी सारी समस्याओं का निपटारा यहीं किया जाएगा। आपको जिस भी योजना के बारे में जानकारी लेनी है और योजना का लाभ लेना है या शिकायत करनी है उस संबंध में अपने अधिकारी को अवगत कराएं साथ ही आवेदनों के निराकरण के संबंध में कहते हुए उन्होंने समय सीमा में इन आवेदनों के निराकरण की आवश्यकता बताई।

इसके अलावा मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने वहां उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी महिलाएं अपने छोटे बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्रों में अवश्य भेजें। बाल्यकाल में मस्तिष्क की ग्रहण करने की क्षमता अधिक होती है इसलिए सभी लोग अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र अवश्य भेंजे जहां पोषण आहार एवं शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा दी जाती है। इसलिए आप सभी संकल्प करें और स्वप्रेरणा से बच्चों को आंगन बाडी केन्द्रों में भेंजें। इस अवसर पर उन्होंने शासकीय विद्यालय पाठकपुर में प्रवेश लेने वाले बच्चों को तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं विद्यालयीन गणवेश प्रदान कर शाला प्रवेश कराया। साथ ही उद्यान विभाग के योजना के तहत् पौधा वितरण, मत्स्य विभाग के अंर्तगत मत्स्य जाल वितरण, दिव्यांग हितग्राही को ट्राईसायकल, किसानों को मक्का बीज एवं केसीसी के तहत 01 लाख के चेक का वितरण हितग्राहियों को किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े, कलेक्टर श्री व्यास एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत् पौधा रोपण भी किया।

संकल्प करें और स्वप्रेरणा से बच्चों को भेंजें आंगनबाड़ी केन्द्र

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का किया गया आयोजन

जन समस्या निवारण शिविर में 122 आवेदन प्राप्त

इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने जनसमस्या निवारण शिविर के सम्बन्ध में बताते हुए कहा कि जिला प्रशासन सभी आमजनों के समस्याओं के निवारण के लिए भरसक प्रयास कर रही है। उसी दिशा में इस शिविर का आयोजन किया गया है। यहां सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं जहां जनता के समस्या का त्वरित निराकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन आवेदनों पर कार्यवाही की स्पष्ट स्थिति जानने के लिए विभागों के पोर्टल पर आवेदन की स्थिति को भी ट्रैक किया जा सकता है। साथ ही बताया कि इन समस्याओं के निराकरण पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों द्वारा चर्चा भी की जाती है। उन्होंने सभी हितग्राहियों से अपनी शिकायत या किसी योजना का लाभ नहीं मिलने की स्थिति को लेकर अपना पंजीयन करने के लिए कहा। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने बच्चो को नियमित रूप से शाला भेजें साथ ही 3 से 6 वर्ष के बच्चों को अनिवार्यतः आंगनबाड़ी केंद्र भेजने के लिए कहा। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों में उपलब्ध कराई जाने वाली रेडी टू ईट पोषाहार को अनिवार्य रूप से छः माह से तीन वर्ष के बच्चों को प्रदान करने एवं सभी गर्भवती महिलाओं को आंगनवाड़ी केंद्रों से पोषाहार उपलब्ध कराने के लिए कहा।

अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए लगातार कार्रवाई करें - श्री लंगेह

शिक्षण संस्थानों के पास धूम्रपान निषेध, बिक्री करने पर दुकानदारों पर होगी कार्यवाही

कोरिया। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नार्को समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) और समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित नशा मुक्ति अभियान की जिला स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम और नशा मुक्ति के लिए विभिन्न विभागों को सख्त निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में सिगरेट और अन्य मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए और इस पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

वनमंडलाधिकारी को निर्देश दिए गए कि वे अवैध गांजा और अन्य मादक पदार्थों की खेती पर वन गार्ड/फॉरेस्ट गार्ड के माध्यम से सतत निगरानी रखें और ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी मिलते ही तत्काल सूचित करें। जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र विभाग को ड्रग्स उत्पादन से संबंधित किसी भी इकाई के पंजीकरण पर सूचित करने के लिए कहा गया और सिंथेटिक ड्रग्स के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री लंगेह ने जिला खाद्य एवं औषधि नियंत्रण अधिकारी को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से मेडिकल स्टोर्स की जांच करें, जहां बिना डॉक्टर के पर्चे के नशीली दवाइयां बेची जा रही हैं। उन्होंने ऐसे मेडिकल स्टोर्स को चिन्हित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी निर्देशित किया गया कि वे अवैध नशीली दवाओं के विक्रय और परिवहन पर नजर रखें और समय-समय पर मेडिकल स्टोर्स की सरप्राइज चेकिंग करें।

जिला आबकारी अधिकारी को जिले में अफीम/डोडा चूरा आदि की अवैध दुकानों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नारकोटिक्स के मामलों में गैंग पर नजर रखकर कार्रवाई और लंबित गांजा प्रकरणों के नष्टीकरण के लिए भी शीघ्र निर्देश दिए गए। समाज कल्याण विभाग को नशामुक्ति केंद्रों के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार करने और मादक पदार्थों के उपयोग से होने वाली हानियों के बारे में जागरूकता लाने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग से आए अधिकारियों को नशेड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि जनभागीदारी और जन जागरूकता के माध्यम से आम लोग नशे के खिलाफ आगे आएं। उन्होंने पंचायत, नगरीय निकाय, स्वास्थ्य विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों से अपील की कि वे लोगों को नशे के नुकसान के बारे में जागरूक करें।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रभाकर खलखो, अपर कलेक्टर श्री अरुण कुमार मरकाम, बैकुंठपुर और सोनहत के अनुविभागीय अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, समाज कल्याण और श्रम विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

रक्त दान से मिलती है आत्मिक संतुष्टि - अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रविवार को रायपुर के डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का शुभारंभ किया।

हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन द्वारा इसका आयोजन किया गया है। श्री साव ने मेगा ब्लड डोनेशन कैंप के आयोजन के लिए फाउंडेशन को बधाई और साधुवाद दिया। वे इस दौरान रक्तदान कर रहे लोगों से मिले और उनकी हौसला अफजाई की। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कैंप का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यों से व्यक्ति को आत्मिक संतुष्टि और आंतरिक ऊर्जा मिलती है। यह बहुत पुण्य का काम है। इस तरह के आयोजनों से रक्त की जरूरत वाले मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी सहायता मिलती है। एक व्यक्ति का रक्तदान कई लोगों की जिंदगी बचाता है।

सूर्य भारती के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं...

सरपंच तुलसी भगत

सचिव विष्णु सिंह

जनपद पंचायत मनोरा, जशपुर (छ.ग.)

कलेक्टर ने सड़कों से मवेशियों को हटाने के दिए सख्त निर्देश

कार्य में कोताही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्यवाही, देर रात तक सड़कों से मवेशियों को हटाने चलेगा संयुक्त अभियान

कोरिया। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने जिले में सड़कों पर आवारा मवेशियों के कारण हो रही दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने नगरीय निकाय, पशुपालन विभाग, जनपद पंचायतों और पुलिस अधिकारियों को संयुक्त सघन मुहिम चलाने के निर्देश दिए हैं।

आज कलेक्टरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आदेश दिया कि वे राज्य और राष्ट्रीय मार्गों पर विचरण और बैठने वाले सभी आवारा मवेशियों को तुरंत हटाएं। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी

प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

श्री लंगेह ने पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि सड़कों पर बैठे मवेशियों के मालिकों का चिन्हांकन कर उन पर आर्थिक दंड लगाया जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि ऐसे पशुपालकों को भविष्य में मवेशियों को सड़कों पर न छोड़ने की सख्त हिदायत दी जाए। लगातार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने पशुपालकों से अपील की कि वे मवेशियों को सड़कों पर न छोड़ें, क्योंकि इससे जान-माल का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि मवेशियों को घर, बाड़ी या गौठान में रखें और आम जनता से प्रशासन को इस मुहिम में सहयोग करने की अपील की।

पत्रकारों के लिए नए आपराधिक कानून पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

दंड संहिता से आगे बढ़कर न्याय संहिता की ओर नया कानून

कोरिया। बदलाव भारतीय समाज की आवश्यकता और भावनाओं के अनुरूप है। कानून में संशोधन मुख्य रूप से अपराधी को दंड और पीड़ित को न्याय दिलाने किया जा रहा है।

1 जुलाई से पूरे देश में कानूनों में बदलाव किए गए हैं। यह दंड संहिता से न्याय संहिता की ओर एक कदम है। आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार ने जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों को नए आपराधिक कानून के सम्बंध में जानकारी दी।

कलेक्टर श्री लंगेह ने जानकारी देते हुए कहा कि तीन ऐतिहासिक कानूनों- भारतीय दंड संहिता 1860, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को क्रमशः भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 से प्रतिस्थापित करके आपराधिक न्याय प्रणाली में एक परिवर्तनकारी कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य लक्ष्य। ऐसी आपराधिक न्याय प्रणाली बनाना है जो न केवल नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है, बल्कि कानूनी व्यवस्था को भी और अधिक मजबूत बनाती है जिससे सभी के लिए सुलभ एवं त्वरित न्याय सुनिश्चित हो।

पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार ने मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पत्रकारिता है और जिसके माध्यम से नए कानून के बारे में ज्यादा और प्रचार-प्रसार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य भारतीय कानूनी प्रणाली में सुधार करना और भारतीय सोच पर आधारित न्याय प्रणाली स्थापित करना है। नए आपराधिक कानून ''लोगों को औपनिवेशिक मानसिकता और उसके प्रतीकों से मुक्त करेंगे'' और हमारे मन को भी उपनिवेशवाद से मुक्त करेंगे। यह ''दंड के बजाय न्याय पर ध्यान केन्द्रित'' है। ''सबके साथ समान व्यवहार'' मुख्य विषय है। यह कानून भारतीय न्याय संहिता की वास्तविक भावना को प्रकट करते हैं। इन्हें भारतीय संविधान की मूल भावना के साथ बनाया गया है। यह कानून व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं। यह मानव अधिकारों के मूल्यों के अनुरुप है। यह पीड़ित-केन्द्रित न्याय सुनिश्चित करेंगे। इन कानूनों की आत्मा न्याय, समानता और निष्पक्षता है। उन्होंने कहा कि नई कानून की मंशा बेहद उत्कृष्ट है।

जिला अभियोजन अधिकारी श्री हरेंद्र पांडेय ने नए कानून के बारे में मीडिया प्रतिनिधियों को विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि नए कानून से लोगों को इसका लाभ मिलेगा और निश्चित समय अवधि में लोगों को न्याय मिल पाएगा। यह कानून त्वरित न्याय की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कानूनों को लागू करने में पुलिस के सामने चुनौतियां जरूर रहेंगी, लेकिन पुलिस विभाग पिछले लंबे समय से इसके लिए तैयारियों में जुटे हुए हैं। नए टेक्नोलॉजी के साथ और मीडिया के माध्यम से पीड़ित को त्वरित न्याय मिले इसके लिए काम करेगी।

उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती कविता ठाकुर ने मीडिया प्रतिनिधियों को अपराधी को दण्ड एवं पीड़ित को न्याय के विशेष प्रावधानों के बारे में बताया। नए कानून के व्यापक प्रचार प्रसार हो इसी को ध्यान में रखते हुए यह कार्यशाला आयोजित की गई थी।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अरूण मरकाम, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती कविता ठाकुर, श्री श्याम मधुकर तथा प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

हर साल एक पेड़ लगाने का संकल्प लें- कलेक्टर श्री लंगेह

वर्तमान व नई पीढ़ी के लिए धरती में वृक्ष होना जरूरी–एसपी श्री परिहार

कोरिया। सोनहत विकासखण्ड के ग्राम आनंदपुर में आज वन मंडल कोरिया द्वारा वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. भारतीय संस्कृति में पेड़-पौधे का बड़ा महत्व बतौर मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने पौधरोपण के अवसर पर विचार साझा करते हुए कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में पेड़-पौधे का बड़ा महत्व है. उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप हम सब जिले में माँ के नाम एक पौधा लगा रहे हैं, सभी विभागों को समन्वित रणनीति के तहत पौधा लगाने के निर्देश दिए गए हैं. श्री लंगेह ने बताया कि जिले के विभिन्न नर्सरी केंद्रों में निशुल्क पौधा वितरण किया जा रहा है. हम सबको पौधे के संरक्षण करने की आवश्यकता है। हम सबको अपनी धरती के हर साल एक पौधा लगाने, बचाने का संकल्प भी लेना होगा. श्री लंगेह ने इस अवसर पर एक नीम का पौधा रोपण भी किए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सबकी सहभागिता जरूरी

पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार इस कार्यक्रम में मौजूद थे. उन्होंने सभी ग्रामीणों व जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सबकी सहभागिता जरूरी है, हर व्यक्ति पौधा जरूर लगाएं, उसकी देखभाल भी अच्छी तरह से करें। नीम का पौधरोपण करते समय श्री परिहार ने कहा मौसम खुशनुमा भी है.

हरियाली धरती माँ की श्रृंगार है, पौधा जरूर लगाएं- सीईओ श्री चतुर्वेदी

वन मंडल द्वारा एक पेड़ माँ के नाम वृहद पौधारोपण

हरियाली, धरती माँ की श्रृंगार

जिला पंचायत के सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि हरियाली, धरती माँ की श्रृंगार है. इस श्रृंगार को बचाने की सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने माँ के नाम एक नीम का पौधरोपण किया, इसी बीच बारिश होने लगी, तब डॉ. चतुर्वेदी ने मुस्कराते हुए कहा आकाश से भी पौधा लगाने के लिए भरपूर आशीर्वाद मिलने जा रहा है.

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के संचालक श्री सौरभ सिंह ठाकुर ने पौधरोपण के बारे में जानकारी दी. उन्होंने हर व्यक्ति को पौधा रोपण के लिए प्रोत्साहित किए।

वनमण्डलाधिकारी श्रीमती प्रभाकर खलखो ने कहा पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना जरूरी हैं। ये हमें जीवन के लिए आक्सीजन, खाने के लिए फल और गर्मी में छांव देते हैं। धरा को हरा-भरा करने एवं जीवन को बचाने के लिए सबको पौधारोपण का संकल्प लेते हुए एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। उन्होंने बताया 947 हेक्टेयर में 1.75 लाख से अधिक पौधरोपण करने की जानकारी दी। 850 किसानों को नीलगिरी, सागौन, बांस, मिलिया डूबिया जैसे पौधे वितरण किये गए हैं।

किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत 4 लाख पौधरोपण

श्रीमती खलखो ने कहा कि किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत 4 लाख पौधरोपण खाली भूखंड पर पौधरोपण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आम, अमरूद, जामुन, नींबू, गुलमोहर, नीम, बीजा, सागौन, लाल चंदन, दही मन सहित कई औषधीय पौधे का नि:शुल्क वितरण के लिए नर्सरी में उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर जनपद पंचायत सोनहत के सभापति श्री कृष्ण कुमार राजवाड़े, एसडीओ श्री अखिलेश मिश्र, रेंजर, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, आटीआई व स्कूल के छात्र- छात्राओं व ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेते पौधा रोपण में सहभागिता निभाई।

कलेक्टर के संज्ञान पर धरमसाय को मिला तत्काल मोटराइज्ड ट्राई साइकिल

एमसीबी। श्री धरमसाय यादव पिता रूदमन यादव ग्राम पंचायत व तहसील नागपुर का निवासी है। श्री धरमसाय यादव शत.प्रतिशत दिव्यांग होने के कारण चलने फिरने तथा एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर मोटराइज्ड ट्राई साइकिल के लिए जनदर्शन में आवेदन किया, जिस पर कलेक्टर डी.राहुल वेंकट ने तत्काल संज्ञान लेते हुए समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्यवाही करते हुये दिव्यांग धरमसाय को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने निर्देशित किया। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक रमेश सिंहा ने कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय मनेंद्रगढ़ के सामने समाज

कल्याण विभाग कार्यालय में धरमसाय को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराया। धरम साय तथा उनके सहयोगियों ने मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने पर छ.ग. शासन, जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग का प्रसन्नता व्यक्त करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि आवेदन पर तत्काल कार्रवाई की गई। ट्राई साइकिल प्राप्त होने पर अब आने जाने में सुविधा प्राप्त होगी।

जन समस्या निवारण शिविर में जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने रोपे फलदार एवं छायादार पौधे

एससीबी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। श्री मोदी ने दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में एक पीपल का पेड़ लगाया। उन्होंने सभी देशवासियों से हमारे ग्रह को बेहतर बनाने में योगदान देने का भी अनुरोध किया है और कहा कि पिछले दशक में भारत ने कई सामूहिक प्रयास किए हैं, जिनसे पूरे देश के वन क्षेत्र में वृद्धि हुई है।

आज विश्व पर्यावरण दिवस पर मुझे एक पेड़ माँ के नाम अभियान शुरू करने पर बहुत प्रसन्नता हो रही है। मैं देशवासियों के साथ ही दुनिया भर के लोगों से यह आग्रह करता हूं कि वे आने वाले दिनों में अपनी मां को श्रद्धांजलि अर्पित करने के रूप में एक पेड़ जरूर लगाएं और #PlantyMother या एक पेड़ माँ के नाम उपयोग करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा करने का आग्रह किया है। इसी कड़ी में विगत दिवस जिला

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत भौता में 5 ग्राम पंचायतों नारायणपुर, छिपछिपी, बंजी, बुंदेली तथा पाराडोल को सम्मिलित कर जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजिन किया गया। इस दौरान स्कूल ग्राउण्ड भौंता के जन समस्या निवारण शिविर में जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम पर फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर पौधों की रक्षा का संकल्प भी लिया गया। सरपंच मुन्नीबाई ने आम का पौधा, कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने नीम का पौधा, अपरे कलेक्टर ने करंज का पौधा, एसडीएम लिंगराज सिदार ने जामुन का पौधा तथा जनपद सीईओ कुमारी वैशाली ने अमरूद का पौधा लगाया। इस दौरान जन समस्या निवारण शिविर में आये हुये ग्रामीणों को भी वन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों का नि:शुल्क वितरण किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव सम्पन्न

तीस नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वास्थ्य मंत्री ने तिलक लगाकर और मुंह मीठा कर किया स्वागत

एमसीबी। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में और विशिष्ट अतिथि श्रीमती रेणुका सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया के उपस्थिति में आज स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल मनेंद्रगढ़ में शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किया गया था । इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, अपर कलेक्टर अनिल सिदार और जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा उपस्थित थे । कार्यक्रम शुरू होने से पहले मुख्य अतिथियों द्वारा विद्या की देवी सरस्वती की चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं अन्य अतिथियों ने सेजस , पीएम श्री स्कूल चनवारी डांड, शा. क. पू. मा. शाला और हायर सेकेण्डरी स्कूल मनेंद्रगढ़ के बच्चों को तिलक लगाकर मिठाई खिलाई गई । साथ ही मुख्य अतिथियों ने पहली, छठवी, नवमी और ग्यारहवीं कक्षा के 30 नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर गणवेश और पाठ्यपुस्तक भेंट कर स्वागत किया । इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यालय की 22 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया । इसके साथ ही कक्षा दसवीं में राज्य स्तर पर 10 वां रैंक हासिल करने वाली विजय इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा कुमारी शिप्रा तिवारी और हल्दी बाड़ी हायर सेकेण्डरी स्कूल के कक्षा बारहवीं के छात्र रोहित दीक्षित को जिले स्तर में प्रथम स्थान हासिल करने पर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मुख्य अतिथियों और समाज कल्याण विभाग के द्वारा कृति अंग वितरण किया गया । जिसमे पांच लोगों को व्हील चेयर वितरण किया गया साथ सभी मुख्य अतिथि, जनप्रतिनिधि और अधिकारी लोग न्योता भोज भी किया । आज की शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को मुख्य अतिथि श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ की साय सरकार के मंशानुरूप विकसित भारत

स्वास्थ्य मंत्री ने पाठ्य-पुस्तक, सायकल और विल चेयर किया गया वितरित

मुख्य अतिथियों के द्वारा किया गया परिसर में फलदार वृक्षों का पौधारोपण

सभी अभिभावक विद्यार्थियों को स्कूल के भरोसे ही न छोड़े उनको घर में भी पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करें- स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री ने 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया सम्मानित

बनाने

की पहल में देश के हर नागरिक को शिक्षित होना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी व्यक्ति निरक्षर ना रहे, इसके लिए सरकार की पहल जारी है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनमानस और अभिभावकों को कहा की पढ़ाने का कार्य सिर्फ शिक्षक का ही कार्य नहीं है, इसमें अभिभावक भी बच्चें को स्कूल भेजने के बाद और स्कूल के आने के बाद उनको घर में पढ़ने के

लिए प्रेरित करें तभी हमारे बच्चे पढ़ाई में आगे बढ़ पाएंगे । उन्होंने आगे कहा की 卐विद्या एक ऐसी धन है न तो पैसा से खरीद सकते है न तो पैसा से दिला सकते है卐 इसीलिए अभिभावकों को सोचना चाहिए और चिंतन करना चाहिए । उन्होंने आगे कहा की समाज में अगर कोई सबसे बड़ा जिम्मेदार व्यक्ति है तो वह शिक्षक है इसीलिए शिक्षकों को गुरुओं का स्थान दिया जाता है । उन्होंने आगे कहा की बहुत जल्द ही इस जिले में सिटी हॉस्पिटल, पॉलिटिकल कालेज, हाल्टीकल्चर कॉलेज, खड़गवां में कृषि कॉलेज खोलने के लिए कहा है , इसके अलावा स्कूलों में फलदार पौधे लगाने के लिए कहा है, वहीं विशिष्ट अतिथि श्रीमती रेणुका सिंह ने सभी अभी अभिभावक, नवप्रवेशी छात्र छात्राओं और शिक्षकों को बच्चों को अच्छी शिक्षा देने की बात कही ।आज बेटियां शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने माता-पिता की भावनाओं के अनुरूप काम करें। साथ ही गुरुजनों के प्रति हमेशा सम्मान का भाव रखे। इस जिला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, भाजपा नेता लखन श्रीवास्तव एवं जमुना पाण्डे, नगर पंचायत अध्यक्ष नई लेदरी सरोज यादव, भाजपा नेता सरजू यादव, दिनेश्वर मिश्रा, सुनैना विश्वकर्मा सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डॉ.भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में बनने वाले 700 बिस्तर अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया स्थल निरीक्षण

एमसीबी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने को लेकर गंभीर हैं। राज्य में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले, इसके लिए छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने अपने पहले ही बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई घोषणाएं की है। इन घोषणाओं में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर का 1200 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन किया जाना और 776 करोड़ की लागत से डॉ.भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में बनने वाले 700 बिस्तर अस्पताल का निर्माण कार्य शामिल है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज डॉ.भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में बनने वाले 700 बिस्तर अस्पताल के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। श्री जायसवाल ने अस्पताल अधीक्षक श्री एसबीएस नेताम और स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ मेडिकल कॉलेज के पुराने हॉस्टल का निरीक्षण किया और साथ ही 700 बिस्तर अस्पताल के लिए मुख्य मार्ग से कनेक्टिविटी के लिए भी स्थल का निरीक्षण किया। श्री जायसवाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चर्चा में कहा कि बजट में शामिल 776 करोड़ की लागत से बनने वाले इस अस्पताल के लिए आवश्यक निर्माण संबंधी तैयारियां जल्द ही शुरू हो जाएंगी ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पाटेश्वर धाम में आयोजित गुरू पूर्णिमा महोत्सव में शामिल हुए

रायपुर / मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरू पूर्णिमा के अवसर पर बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखण्ड स्थित जामड़ी पाटेश्वर धाम आश्रम पहुंचे। मुख्यमंत्री ने वहां सत्संग स्थल कौशल्या धाम में संत योगी बालकदास से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर सांसद श्री भोजराज नाग सहित श्री देवलाल ठाकुर एवं अन्य अतिथियों के अलावा, आई.जी. श्री रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, एस.पी. श्री जे.आर. ठाकुर तथा अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने ब्रम्हलीन संत राम जानकी दास जी के समाधि स्थल में पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की और सत्संग स्थल परिसर में रुद्राक्ष के पौधे का रोपण किया। मुख्यमंत्री ने शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित करते हुए उपस्थित सभी लोगों का स्वागत अभिनंदन किया। उन्होंने पाटेश्वर धाम में ब्रम्हलीन गुरुदेव राम जानकी दास की समाधि निर्माण कराने तथा मंदिर परिसर में हाई मास्ट लाईट लगाने एवं मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए शेड निर्माण कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जुगेरा प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास की सीटें 50 से बढ़ाकर 100 करने की घोषणा की।

7 वर्षों में रेलवे सुरक्षा बल जवानों ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 84 हजार से अधिक बच्चों को बचाया

कोटा। पिछले सात वर्षों में, रेलवे सुरक्षा बल का नन्हे फरिश्ते नामक एक ऑपरेशन अग्रणी रहा है। यह एक मिशन जो विभिन्न भारतीय रेलवे जोनों में पीड़ित बच्चों को बचाने के लिए समर्पित है। पिछले सात वर्षों (2018-मई 2024) के दौरान, आरपीएफ ने स्टेशनों और ट्रेनों में खतरे में पड़े या खतरे में पड़ने से 84,119 बच्चों को बचाया है।

नन्हे फरिश्ते सिर्फ एक ऑपरेशन से कहीं अधिक है; यह उन हजारों बच्चों के लिए एक जीवन रेखा है जो खुद को अनिश्चित परिस्थितियों में पाते हैं। 2018 से 2024 तक का डेटा, अटूट समर्पण, अनुकूलनशीलता और संघर्ष क्षमता की कहानी दर्शाता है। प्रत्येक बचाव समाज के सबसे असुरक्षित सदस्यों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

वर्ष 2018 में ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते% की महत्वपूर्ण शुरुआत हुई। इस वर्ष, आरपीएफ ने कुल 17,112 पीड़ित बच्चों को बचाया, जिनमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल हैं। बचाए गए 17,112 बच्चों में से 13,187 बच्चों की पहचान भागे हुए बच्चों के रूप में की गई, 2105 लापता पाए गए, 1091 बच्चे बिछड़े हुए, 400 बच्चे निराश्रित, 87 अपहृत, 78 मानसिक रूप से विक्षिप्त और 131 बेघर बच्चे पाए गए। वर्ष 2018 में इस तरह की पहल की तत्काल आवश्यकता को उजागर करते हुए ऑपरेशन के लिए एक मजबूत नींव रखी गई।

वर्ष 2019 के दौरान, आरपीएफ के प्रयास लगातार सफल रहे और लड़कों और लड़कियों दोनों सहित कुल

15,932 बच्चों को बचाया गया। बचाए गए 15,932 बच्चों में से 12,708 भागे हुए, 1454 लापता, 1036 बिछड़े हुए, 350 निराश्रित, 56 अपहृत, 123 मानसिक रूप से विक्षिप्त और 171 बेघर बच्चों के रूप में पहचाने गए। वर्ष 2020 कोविड महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण था, जिसने सामान्य जीवन को बाधित किया और परिचालन पर काफी प्रभाव डाला। इन चुनौतियों के बावजूद, आरपीएफ 5,011 बच्चों को बचाने में कामयाब रही।

वर्ष 2021 के दौरान, आरपीएफ ने अपने बचाव कार्यों में पुनरुत्थान देखा, जिससे 11,907 बच्चों को बचाया गया। इस वर्ष पाए गए और संरक्षित किए गए बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसमें 9601 बच्चों की पहचान भागे हुए के रूप में, 961 लापता के रूप में, 648 बिछड़े हुए, 370 निराश्रित, 78 अपहृत, 82 मानसिक रूप से विकलांग और 123 बेघर बच्चों के रूप में पहचाने गए। वर्ष 2023 के दौरान, आरपीएफ 11,794 बच्चों को बचाने में सफल रही। इनमें से 8916 बच्चे घर से भागे हुए थे, 986 लापता थे, 1055 बिछड़े हुए थे, 236 निराश्रित थे, 156 अपहृत थे, 112 मानसिक रूप से विकलांग थे, और 237 बेघर बच्चे थे। आरपीएफ ने इन असुरक्षित बच्चों की सुरक्षा और उनकी अच्छी देखभाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2024 के पहले पांच महीनों में, आरपीएफ ने 4,607 बच्चों को बचाया है। जिसमे 3430 घर से भागे हुए बच्चों को बचाया गया है, शुरुआती रुझान ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण देते हैं। ये संख्या बच्चों के भागने की लगातार जारी समस्या तथा उन्हें अपने माता पिता के पास सुरक्षित पहुंचने के लिए आरपीएफ के किए गए प्रयासों दोनों को दर्शाती हैं। आरपीएफ ने अपने प्रयासों से, न केवल बच्चों को बचाया है, बल्कि घर से भागे हुए और लापता बच्चों की दुर्दशा के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है, जिसमे आगे की कार्रवाई और विभिन्न हितधारकों से समर्थन मिला। आरपीएफ का ऑपरेशन का दयारा लगतार बढ़ रहा है, रोज नई चुनौतियों का सामना कर भारत के विशाल रेलवे नेटवर्क में बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने का प्रयास कर रहा है। ट्रैक चाइल्ड पोर्टल पर बच्चों की पूरी जानकारी उपलब्ध रहती है। 135 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर चाइल्ड हेल्पडेस्क उपलब्ध है।आरपीएफ मुक्त कराए गए बच्चों को जिला बाल कल्याण समिति को सौंप देती है । जिला बाल कल्याण समिति बच्चों को उनके माता-पिता को सौंप देती है।

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के द्वारा इटली टयूरिन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्रीमती अल्पना शुक्ला भारत का प्रतिनिधित्व करेगीं

कोटा । अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सतत विकास हेतु ट्रेड यूनियनों की कार्यवाईयों को बढ़ाने हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन की महिला चेयरपर्सन एवं हिन्द मजदूर सभा राजस्थान की महिला सचिव श्रीमती अल्पना शुक्ला इटली टयूरिन में दिनांक 22 से 26 जुलाई 2024 तक भारत का प्रतिनिधित्व करेगीं। महामंत्री मुकेश गालव ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन आईएलओ द्वारा पूरे विश्व से श्रम संगठनों के प्रतिनिधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्रम कानून, श्रमिकों की बेहतर स्थिति, उत्कृष्ट कार्य, लैंगिक समानता एवं श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और सभी उम्र के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना, समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना, लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना, सभी के लिए पानी और स्वच्छता की उपलब्धता और टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना, सभी के लिए सस्तीए विश्वसनीयए टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करना, सभी के लिए निरंतरए समावेशी और सतत आर्थिक विकासए पूर्ण और उत्पादक रोजगार और सभ्य काम को बढ़ावा देना, सभी के लिए किफायती और न्यायसंगत पहुंच पर ध्यान देने के साथए आर्थिक विकास और मानव कल्याण का समर्थन करने के लिए क्षेत्रीय और सीमा पार बुनियादी ढांचे सहित गुणवत्तापूर्णए विश्वसनीयए टिकाऊ और लचीला बुनियादी ढांचा विकसित करना, देशों के भीतर और देशों के बीच असमानता को कम करना, शहरों और मानव बस्तियों को समावेशीए सुरक्षितए लचीला और टिकाऊ बनाएं, टिकाऊ उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करें, जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई करें, सतत विकास के लिए महासागरोंए समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और सतत उपयोग, स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र की रक्षाए पुनर्स्थापना और स्थायी उपयोग को बढ़ावा देनाए जंगलों का स्थायी प्रबंधन करनाए मरुस्थलीकरण से निपटनाए और भूमि क्षरण को रोकना और उलटना और जैव विविधता के नुकसान को रोकना, सतत विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देनाए सभी के लिए न्याय तक पहुंच प्रदान करना और सभी स्तरों पर प्रभावीए जवाबदेह और समावेशी संस्थानों का निर्माण करना। कार्यान्वयन के साधनों को मजबूत करना और सतत विकास के लिए वैश्विक साझेदारी को पुनर्जीवित करना आदि अनेक मुद्दों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेगी।

विद्या भारती शिक्षा संस्था कोटा का प्रतिभा सम्मान समारोह

नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी–विधानसभा अध्यक्ष

कोटा । विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता, देश प्रेम एवं मूल्यों की शिक्षा देकर उनमें देश के लिए समर्पण का भाव उत्पन्न कर हम 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा कर सकेंगे। श्री देवनानी रविवार को यहां विद्या भारती शिक्षा संस्थान, कोटा के प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप मे संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। देश सक्षम नेतृत्व के हाथों में है। हमारी युवा पीढ़ी में तेरा वैभव अमर रहे माँ की सोच पैदा करेंगे तभी हमारी शिक्षा सार्थक होगी। हमें रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही संस्कारवान बनाने वाली शिक्षा देने की जरूरत है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विद्या भारती में छात्र-छात्राओं को संस्कार दिए जाते हैं और उन्हें अच्छे नागरिक बनाने का प्रयास किया जाता है। आंतकवाद, जातिवाद, भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए आज विद्या भारती के संस्कार की आवश्यकता है। उन्होंने आव्हान किया कि यहां से निकले छात्र डॉक्टर-इंजीनियर बनकर गरीबों की सेवा करने का भाव रखें। स्वयं से पहले राष्ट्र व समाज के प्रति कर्तव्य निर्वहन को प्राथमिकता दें और सब कुछ देश के लिए समर्पण करने का भाव लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि विद्या भारती से जुड़े प्राचार्य एवं आचार्य नन्हें बच्चों को तराश कर उन्हें संस्कारी बनाएं। श्री देवनानी ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मां के साथ जोड़कर अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने की मुहिम शुरू की गई है। इस मुहिम में सभी भागीदार बनें।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर ने कहा कि विद्या भारती में पढ़ने वाले विद्यार्थी यहां से ऐसे संस्कार लेकर जाएं कि वे पूरे विश्व में देश का नाम रोशन कर सकें। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि शिक्षकों का ध्येय शिक्षा के साथ-साथ विशिष्टता का भाव पैदा करना है। यहां से निकले छात्र राष्ट्र सेवा के भाव के साथ विविध क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं।

समारोह में विधानसभा अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों ने विद्या भारती शिक्षा संस्थान, कोटा के तहत संचालित विभिन्न विद्यालयों में दसवीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एलन कोचिंग संस्थान के कार्यकारी निदेशक नवीन माहेश्वरी ने की। इस अवसर पर डॉ. संतोष आनंद सहित विद्या भारती संस्थान से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

जून में 106 मालगाड़ी रैक से 6.4 लाख टन माल का किया लदान लक्ष्य से 0.62 प्रतिशत किया गया माल ढुलाई

कोटा। मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी के कुशल मार्गदर्शन, वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष के 2024-25 के जून माह में 106 मालगाड़ी रैक से 6.4 लाख टन का माल लदान किया। जिससे कुल 76.28 करोड़ आय का अर्जित हुआ। जोकि जून माह के मालढुलाई के निर्धारित लक्ष्य से 062 प्रतिशत अधिक है।

यदि जून माह के कमोडिटी वाइज लोडिंग आंकड़ों पर नजर डालें तो पाएंगे कि सबसे अधिक यूरिया 0.294 मिलियन टन लदान से 32.54 करोड़, क्लिंकर 0.072 मिलियन टन से 8.64 करोड़, सीमेन्ट 0.159 मिलियन टन से 13.31 करोड़, फूड ग्रेन 0.038 मिलियन टन से 8.86 करोड़, कंटेनर 0.042 मिलियन टन से 5.34 करोड़ एवं अन्य 0.035 मिलियन टन से 7.59 करोड़ रूपये अर्जित किया।

कोटा मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / जन सम्पर्क अधिकारी रोहित मालवीय ने बताया कि मंडल द्वारा माल यातायात एवं उससे अर्जित आय में उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है और आगे भी जारी रहेगा।

डब्ल्यू.सी.आर.एम.एस की सीईसी, सीडब्लयूसी की बैठक सम्पन्न आठवे वेतन आयोग के गठन एवं एलडीसीई ओपन टू ऑल का संकल्प पारित

कोटा । वेस्ट सेन्ट्रल रेवले मजूदर संघ की केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 11.07.2024 को कुलकर्णी मेमोरियल हॉल कोटा मे सम्पन्न हुई । कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के जोनल अध्यक्ष श्री सी एम उपाध्याय द्वारा की गई एवं मुख्य अतिथि के रूप में एनएफआईआर के महासचिव डा.एम.राघवैया उपस्थित थे । कार्यक्रम में संघ के महासचिव श्री अशोक शर्मा भी उपस्थित रहे ।

वेस्ट सेन्ट्रल रेवले मजूदर संघ कोटा मण्डल के मण्डल सचिव अब्दुल खालिक ने बताया कि कार्यक्रम में रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए 28 सूत्री मांगो का संकल्प पारित किया गया । महामंत्री एनएफआईआर डा.एम.राघवैया ने बताया कि भारतीय रेलवे की 300 कोटियों मे कार्यरत सभी रेलकर्मी कार्य के प्रति समर्पित एवं समर्पण भाव से ड्यूटी करते है इसके माध्यम से माल परिवहन वर्ष 2023-24 मे 1500 मिट्रिक टन से ज्यादा रहा है साथ ही साथ रेल कर्मचारियों के कार्य के प्रति समर्पण से रेलवे विभाग की आय मे भी बढोतरी हुई है। भारत सरकार रेलवे के कार्यो को निजीकरण की ओर ले जा रही है यह दुर्भाग्य का विषय है। साथ ही साथ पैसेन्जर/एक्सप्रेस ट्रेनो को प्राईवेट ऑपरेटर्स को दिया जा रहा है। रेलवे प्रोडक्शन युनिट, रेलवे सम्पत्ति का मुद्रीकरण बिना इस बात का एहसास किये कि यह प्रक्रिया राष्ट्र एवं रेलवे के विकास मे बाधक है। इस प्रकार की गतिविधियों के विरूद्ध एनएफआईआर एवं उससे सम्बद्ध वे.से.रे.म.संघ द्वारा कई बार विभिन्न प्रकार से प्रतिरोध किया है। उन्होने कार्यक्रम में रेलवे कर्मचारियों की विभिन्न मांगों के बारे बताया जिसमें रेलवे बोर्ड को पत्र लिखकर निराकरण करवाने के लिए प्रयासरत है।

1. कोविड 19 के कारण ड्यूटी करते हुए जिन रेल कर्मचारियों की मृत्यु हुई है उनके परिवार को एक्स ग्रेशिया भुगतान करना।

2. डॉ. अर्कयोड फॉर्मुला के अनुसार निम्न वेतन 32500 संशोधित करना, केन्द्रीय सरकार कर्मचारियों के वेजेज को संशोधित करने हेतु प्रक्रिया प्रारंभ करना।

3. रेल कर्मचारियों का कार्य बोर्डर को सुरक्षित रखने हेतु डिफेंस फोर्स के समतुल्य है अत: न्यू पेंशन सिस्टम को समाप्त किया जाये एवं अन्य विभिन्न मांगों के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम में जोनल अध्यक्ष सी एम उपाध्याय द्वारा मीटिंग को सम्बोधित करते हुए सम्पूर्ण पश्चिम मध्य रेलवे में कार्यरत संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ताओं का आवाहन किया कि आगामी मान्यता के होने वाले चुनावों में शाखा स्तर पर शाखा के कार्यकर्त्तओं मिलकर डिपो वाईज मीटिंग करें एवं सभी कर्मचारियों को एनएफआईआर द्वारा करवाये गये निर्णयों की जानकारी दें । कार्यक्रम में मुख्य रूप से 05 महत्वपूर्ण मांगों का संकल्प लिया गया जिसमें मुख्य रूप से एनपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन स्कीम लागू करना, सभी विभागों के कर्मचारियों के लिए एलडीसीई ओपन टू ऑल करना, रेल सेवा में नई भर्ती करना एवं सभी ग्रुप डी कर्मचारियों को ट्रेकमेन्टैनर में भर्ती किया जाये तथा पूर्व में कार्यरत ट्रेकमेन्टैनर्स की केटेगरी परिवर्तित की जायें तथा विभागीय परीक्षा के माध्यम से अन्य विभागों में भी जाने का अवसर मिले, रेलवे की सभी केटेगरी के कर्मचारियों को रिश्क एवं हार्डशिप भत्ते का भुगतान किया जायें तथा आठवे वेतन आयोग का शीघ्र गठन हो ।

महामंत्री श्री अशोक शर्मा ने मीटिंग में 28 सूत्री संकल्प मांगों को सभी सदन के समक्ष रखा जिसमें मुख्य रूप से रेलवे में रिक्ति्यों को भरना एवं नये पदों के सृजन का मुद्दा, स्वयं की प्रार्थना पर अंतर रेलवे स्थानान्तरण की प्रक्रिया का सरल बनाना, रनिंग कर्मचारियों को आयकर सीमा में छूट प्रदान करना, महिला रेल कर्मचारियों को कार्यस्थल पर मूलभूत सुविधाए उपलब्ध करवाना, उत्पादकता आधारित बोनस की सीलिंग लिमिट को समाप्त करना, संरक्षा श्रेणी के रिक्त पदों को भरना व नये पदों का सृजन करना, गेटमेनों को कार्य के घण्टे 08 निर्धारित करना, संघ के क्वासी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को स्थायी करना, फार्मासिस्टों को पेशेन्ट केयर एलाउन्स, इन्जीनिरिंग विभाग के कर्मचारियों को रक्षक यंत्र जारी करवाना एवं सीनियर ट्रेकमेन्टैनर्स के रूप में 4200 ग्रेड पे दिलवाना, सिगनल विभाग के कर्मचारियों को साप्ताहिक विश्राम के साथ साथ मुख्यालय छोडने की अनुमति प्रदान करना आदि मुख्य मुद्दे सम्मिलित रहें ।

कार्यक्रम में पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर जोन के भोपाल मण्डल, जबलपुर मण्डल के सैकडों पदाधिकारियों के साथ साथ कोटा मण्डल के नागदा से मथुरा तक के रेल कर्मचारियों ने भाग लिया जिसमें मुख्य रूप से जोनल कार्यकारी अध्यक्ष अनुज तिवारी, जोनल कोषाध्यक्ष कमलेश परिहार, मण्डल अध्यक्ष जबलपुर एस एन शुक्ला, मण्डल अध्यक्ष भोपाल मण्डल राजेश पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष कोटा एस के गुप्ता, तीनों मण्डलों के केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य, सभी शाखाओं के पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित रहे ।

जनसुनवाई में 215 परिवादों की सुनवाई कर दी राहत

कोटा । जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर के जनसुनवाई केन्द्र पर आयोजित की गई। इस अवसर पर 215 परिवाद आए। जनसुनवाई में मुख्य सचिव सुधांश पंत भी वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रकरणों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण के लिए इनसे संबद्ध विभागों द्वारा पहले ही उनके यहां लम्बित और संबंधित शिकायतों का निराकरण कर लिया जाए। परिवादों की संवेदनशीलता के साथ सुनवाई करते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश देकर परिवादियों को राहत दी। जिला कलक्टर ने जनसुनवाई के दौरान हर फरियादी की व्यक्तिगत सुनवाई की एवं उनकी समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। समस्त उपखंड एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, तहसीलदार वीसी के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े। संबंधित प्रकरणों पर उनसे चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई में बिजली, सफाई, भूमि की पैमाईश,

रास्ता संबंधी, अतिक्रमण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन चालू कराने के प्रकरण अधिक आए जिनमें उन्होंने रिपोर्ट मंगवाने के निर्देश दिए। पेंशनर्स समाज के प्रतिनिधियों ने मांग पत्र सौंपा वहीं दिव्यांग दंपती ने रोजगार के लिए स्थान देने, बिना अवॉर्ड पारित भूमि अवासि प्रकरण को निरस्त करने, निजी विद्यालय द्वारा टीसी नहीं देने, राशन कार्ड पुन: जारी करने एवं संशोधन इत्यादि के प्रकरण आए। केडीए, नगर निगम, जिला परिषद, केईडीएल, पुलिस, विद्युत विभाग, सीएडी एवं सिंचाई विभाग से जुड़े प्रकरणों में जिला कलक्टर ने मौजूद अधिकारियों को समस्या समाधान के निर्देश दिए।

उद्यम प्रोत्साहन योजना का शिविर आयोजित

कोटा । डॉ भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी योजना जानकारी देने के लिए जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा गुरूवार को पंचायत समिति सुल्तानपुर में उद्यम प्रोत्साहन योजना शिविर का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र हरिमोहन शर्मा ने बताया कि शिविर में 36 आवेदक उपस्थित हुए, 8 आवेदकों को योजनान्तर्गत आवेदन फार्म उपलब्ध कराए गए। शिविर में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए जानकारी दी गई।

जनवरी 2025 तक होगा थानों का पूरा डाटा ऑनलाईन

कोटा। विधायक संदीप शर्मा के अतारांकित प्रश्न के उत्तर में राज्य सरकार ने विधानसभा में बताया है कि प्रदेश के पुलिस थानों का सम्पूर्ण डाटा ऑनलाईन करने का काम जनवरी 2025 तक पूरा कर लिया जायेगा। विधायक शर्मा ने आरोप लगाया है कि 2017 से ही यह रिकॉर्ड ऑनलाईन करने का काम चल रहा है लेकिन कांग्रेस सरकार के 5 साल में इसकी प्रभावी मॉनीटरिंग नहीं होने से कछुआ चाल चलते हुए यह काम पूरा नहीं हो पाया है जबकि यह योजना अपराधियों पर रोक लगाने में सक्षम है।

उन्होंने गृह मंत्री से प्रदेश के पुलिस थानों में ऑनलाईन कामकाज और पुराने कागजों पर दर्ज रिकॉर्ड को ऑनलाईन करने के बारे में पूछा था जिस पर उत्तर दिया गया है कि प्रदेश में 2017 से सीसीटीएनएस परियोजना के तहत सारा काम ऑनलाईन होने लगा है। ज्ञात हो कि सीसीटीएनएस (अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क) मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसका उद्देश्य अपराध और आपराधिक ब्यौरों का संग्रह तैयार करना, पुलिस की कार्यप्रणाली को नागरिक हितैषी बनाना एवं थानों की कार्यप्रणाली को स्वचालित कर उसे अधिक पारदर्शी बनाना है।

राजस्थान में फरवरी 2017 से इस योजना के लागू होने के बाद से पुलिस थानों का सारा काम सीसीटीएनएस एप्लीकेशन पर शुरू हो गया है। जिसमें पुलिस को रोजनामचा, एफआईआर, शिकायत, मर्ग, गुमशुदा, केस फाईल में केस डायरी, गवाहो के बयान, नक्शा मौका, गिरफ्तारी, तलाशी एवं जप्ती, चार्ज शीट एवं एफआर, रिमाण्ड सम्मन वारन्ट, आपराधिक रिकॉर्ड इत्यादि ऑन लाईन है। साथ ही नागरिको के लिये एफआईआर/शिकायत की प्रति, अनुसंधान की प्रगति आदि ऑन लाईन उपलब्ध है। बताया गया है कि अपराधियों के फिंगर प्रिन्ट नेफिस के अन्तर्गत पुलिस को ऑन लाईन उपलब्ध है । उत्तर में बताया गया है कि सीसीटीएनएस योजना लागू होने से पूर्व के 10 वर्ष 2007 से 20017 तक का सारा रिकॉर्ड जो कागजों पर दर्ज था उसे भी ऑनलाईन दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। इसके तहत आईआईएफ-1 से आईआईएफ-5 तक एफआईआर, अपराध विवरण प्रपत्र, गिरफ्तारी प्रपत्र, संपत्ति अधिग्रहण प्रपत्र व अंतिम प्रपत्र का उपलब्ध डाटा ऑनलाईन किया जा रहा है। इस कार्य में 2 श्रेणियां हैं नॉन सीपा एवं सीपा। नॉन सीपा श्रेणी में 12 जिले है जिनमें 8 जिलों में कार्य पूर्ण हो चुका है। सीपा (कॉमन इंटीग्रेटेड पुलिस एप्लीकेशन) 2004 में केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई थी।

इस योजना में क्रियान्वित प्रदेश के 31 जिलों में सीपा एप्लीकेशन पर उपलब्ध समस्त डाटा को सीसीटीएनएस पर माइग्रेट किया जा चुका है तथा शेष रहे आईआईएफ फॉर्म की गेप फिलिंग व पत्रावली स्केनिंग का कार्य किया जा रहा है, जिसमें 6 जिलों में कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष सभी जिलों में कार्य किया जा रहा है, वहीं प्रोजेक्ट को पूर्ण करने की अवधि दिनांक 05.01.2025 तक निर्धारित है।विधायक संदीप शर्मा ने बताया कि देश के सभी 16276 पुलिस थानों में सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है तथा सम्पूर्ण आपराधिक रिकॉर्ड ऑनलाईन होने के बाद देश के किसी भी क्षेत्र के अपराध व अपराधियों की जानकारी चुटकियों में मिल सकी है, वहीं विभिन्न राज्यों में अपराध करने वाले बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई में पुलिस को सहूलियत होती और पुलिसकर्मियों पर काम का भार कम हुआ है। उन्होंने कहा कि ऑनलाईन सत्यापन, ऑनलाईन एफआईआर, चरित्र सत्यापन, नौकरों व किरायेदारों का सत्यापन जैसे कार्यों से आम जनता को बड़ी राहत मिली है और उन्हें अब थाने जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

केंद्रीय सड़क निधि के अंतर्गत 1383 करोड़ के कार्यों के स्वीकृति का किया अनुरोध

छत्तीसगढ़ से सीधे जुड़ेगा अयोध्या

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से उनके निवास पर मुलाकात की।

बैठक में राज्य में चल रही सड़क परियोजनाओं और आदिवासी क्षेत्रों में व अयोध्या तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य में सड़क परिवहन को और अधिक सुलभ व सुविधाजनक बनाने के लिए नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा। जिस पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, राहुल भगत, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी और भारत सरकार के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कवर्धा-राजनांदगांव-भानुप्रतापपुर-अंतागढ़-नारायणपुर-गीदम-दंतेवाड़ा-सुकमा मार्ग को भी राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने बताया यह कुल 482 किमी लंबा राज्य के कुल 6 राष्ट्रीय राजमार्गों एवं 5 जिला मुख्यालय को जोड़ने वाला अति महत्वपूर्ण मार्ग है। इस मार्ग के निर्माण होने से बस्तर का नक्सल प्रभावित क्षेत्र मुख्यमार्ग से जुड़ेगा एवं नक्सल गतिविधियों में कमी आएगी।

इसके साथ ही उन्होंने कहा रायपुर शहर से तीन राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं। एनएच 130बी से 53 को जोड़ने वाले मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा यह मार्ग एनएच घोषित होने से रायपुर शहर का रिंग रोड पूर्ण रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग हो जाएगा। इसके अलावा उन्होंने रतनपुर-लोरमी-मुंगेली-नांदघाट-भाटापारा-बलौदाबाजार मार्ग, केंवची-पेंड्रारोड-पसान-कटघोरा मार्ग, मुंगेली-नवागढ़-बेमेतरा-धमधा-दुर्ग-झलमला मार्ग, राजनांदगाँव-मोहला-मानपुर मार्ग, पंडरिया-बजाग-गाड़ासरई मार्ग को भी राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री ने रखा है।

मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130 में कटघोरा से अंबिकापुर तक फोर लेन चौड़ीकरण करने तथा एनएच क्रमांक 53 पर टाटीबंध से तेलीबांधा तक सुरक्षित यातायात की दृष्टि से सरोना चौक, उद्योग भवन, और तेलीबांधा चौक पर ग्रेड सेपरेटर निर्माण की आवश्यकता बताई है।

इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के वार्षिक योजना 2024-25 में एनएच 30 धमतरी से जगदलपुर व एनएच 130बी में रायपुर-बलौदाबाजार-सारंगढ़ मार्ग फोर लेन करने का प्रस्ताव रखा है। वहीं, रायपुर-दुर्ग एनएच 53 के दो जंक्शन सिरसा गेट व खुर्सीपार जंक्शन पर ग्रेड सेपरेटर निर्माण के स्वीकृति का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय सड़क निधि के अंतर्गत 1383 करोड़ के 13 कार्यों के प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे गए हैं। उन्होंने प्रस्तावों को जल्द स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने रायपुर में नवंबर में होने वाले इंडियन रोड कॉंग्रेस का 83वां वार्षिक अधिवेशन में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री को आमंत्रण भी दिया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ में सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर जल्द से जल्द सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री ने सुशासन संवाद कार्यक्रम में गिनाई सरकार की उपलब्धियां

जनता में विश्वास बहाली बड़ी चुनौती, मोदी की गारंटी पूरी कर जीता भरोसा : मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ सरकार के छह माह पूरे होने पर नई दिल्ली के अशोका होटल में आयोजित सुशासन संवाद कार्यक्रम में प्रदेश सरकार की उपलब्धियां व राज्य में सुशासन की दिशा में उठाए गए कदमों पर चर्चा की। इस मौके पर उन्होने जनता के सवालों का भी बेबाकी के साथ जवाब दिया। मुख्यमंत्री साय ने संबोधित करते हुये कहा शपथ ग्रहण के पश्चात हमारी सबसे बड़ी चुनौती जनता के भरोसे पर खरा उतरना था। मोदी जी ने जो प्रदेश की आम जनता को गारंटी दी थी, उन्हें पूरा करना था। लेकिन हमने 7 महीने के भीतर ही अधिकांश गारंटियों को पूरा कर जनता का भरोसा पुन: अर्जित कर लिया है। उन्होने कहा छत्तीसगढ़ में जनता का काम साएँ-साएँ हो रहा है, जिससे कमीशनखोरी करने वालों के मंसूबों पर पानी

फिर गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार की नियत और नीति दोनों सही हैं। उन्होने नक्सलवाद के विरुद्ध किए गए कार्यों पर विशेष जोर देते हुये कहा हमारी सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। हमने सुरक्षा कैंप स्थापित किए हैं और इन इलाकों में विकास कार्यों को तेज किया है। इससे न केवल सुरक्षा बल्कि विकास की दिशा में भी हमें बड़ी सफलता मिली है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ में पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, हमने प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाया है ताकि जनता को उनकी समस्याओं का समाधान जल्दी और प्रभावी तरीके से मिल सके। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुये कहा कि हमने सरकार बनते ही मोदी जी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराया।

बालको ने वेदांता स्किल स्कूल के साथ मनाया विश्व युवा कौशल दिवस

बालकोनगर । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) अपने वेदांता स्किल स्कूल के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को स्वावलंबी बनाया है। कंपनी के इस पहल ने 2010 से अबतक छत्तीसगढ़ के 12,000 युवाओं के जीवन में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने में सहायक बना। विश्व युवा कौशल दिवस पर बालको ने वेदांता स्किल स्कूल में 100 से अधिक प्रशिक्षुओं के लिए कार्यक्रम का आयोजन कियाजिसमें युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी क्षमता को पहचानने में कौशल के महत्व पर जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में व्यक्तिगत विकास और व्यावसायिक विकास दोनों को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। इनका उद्देश्य छात्रों के अपने-अपने ट्रेड में कौशल को बढ़ाना और साथ ही उनके समग्र व्यक्तित्व को बढ़ावा देना था। आयोजन मनोरंजन और उत्साह से भरा रहा जिसमें नृत्य प्रदर्शन, फैशन शो, खाना पकाने की चुनौतियाँ और अन्य आकर्षक गतिविधियों के अलावा इलेक्ट्रिकल मॉडल बनाना शामिल था।

सोलर पीवी इंस्टॉलर ट्रेड में प्रशिक्षु कशिश यांगडे ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बोली की मैं आर्थिक रूप से सशक्त तथा परिवार का भरण-पोषण करना चाहती थी। सोलर एनर्जी के साथ काम करना अविश्वसनीय रूप से संतुष्टिदायक है। कंपनियों और सरकारी निकायों द्वारा सोलर स्रोतों पर बढ़ते ध्यान के साथ मुझे इस ट्रेड में कुशल होने पर गर्व है।

फिटर ट्रेड से प्रशिक्षण प्राप्त हिमांशु कुमार साहू एक्वा पंप्स लिमिटेड में कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी स्वावलंबी बनने की यात्रा को साझा करते हुए कहा कि वेदांता स्किल स्कूल में 45-दिवसीय प्रशिक्षण जीवन बदलने वाला रहा है। आवासीय सुविधा एक महत्वपूर्ण लाभ था जिसे शिक्षण अनुभव को बेहतर बनाया। प्रशिक्षण ने मुझे नौकरी के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल में निपुण बनाया और मेरे व्यक्तित्व को भी निखारा। हमें औद्योगिक संचालन और प्रभावी संचार को समझने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

45 दिवसीय सिलाई मशीन ऑपरेटर कोर्स की प्रशिक्षु तामेश्वरी पटेल ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि मुझे हमेशा से सिलाई में रुचि रही है और मैं अपनी गुड़ियों के लिए कपड़े बनाती थी। जब एक मित्र ने मुझे वेदांता स्किल स्कूल के सिलाई कार्यक्रम के बारे में बताया तो मैंने इसमें शामिल होने का फैसला किया। प्रशिक्षण ने

मुझे रोजगारपरक कौशल प्रदान किए हैं जो मुझे आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए सशक्त भी बनाते हैं।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने वेदांता स्किल स्कूल पहल के महत्व पर बताया कि वेदांता में सतत आजीविका विकास हमारे सामुदायिक प्रयासों का केंद्र है। छत्तीसगढ़ और भारत के भविष्य को आकार देने के लिए हमारे युवाओं को सही कौशल और शिक्षा से लैस करना आवश्यक है। वेदांता स्किल स्कूल स्थानीय युवाओं को रोजगार योग्य कौशल हासिल करने के लिए मार्ग बनाते हैं जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा और आर्थिक विकास सुनिश्चित होता है। व्यक्तियों को सशक्त बनाकर हम सामुदायिक विकास और सशक्त भारत के बड़े लक्ष्य में योगदान करते हैं।

वेदांता स्किल स्कूल हॉस्पिटैलिटी, वेल्डिंग, सिलाई मशीन ऑपरेटर, सोलर पीवी टेक्निशियन, इलेक्ट्रिकल, फिटर-लेवलिंग अलाइनमेंट बैलेंसिंग और मोबाइल रिपेयर ऑपरेटर सहित कुल सात ट्रेडों में मुफ्त आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। 45 से 60 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है। स्कूल स्किल के साथ व्यावहारिक ज्ञान संचार, सुरक्षा, कानूनी अधिकार और मासिक धर्म स्वास्थ्य पर सत्रों के साथ समग्र विकास पर जोर देता है। इसमें अनुभवी बालको कर्मचारियों से मार्गदर्शन शामिल है। वित्तीय वर्ष 2024 में 1241 व्यक्तियों को कार्यक्रम से लाभ हुआ जिनमें 72त्न महिला उम्मीदवार थीं। 100त्न प्रशिक्षुओं को रोजगार का अवसर प्राप्त मिलता है जो भारत भर के प्रतिष्ठित विभिन्न संस्थानों में कार्यरत है।

शहरी आजीविका मिशन में अच्छे कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को मिले पांच राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरी गरीब परिवारों को सशक्त बनाने और उनकी आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्यों के लिए आज नई दिल्ली में प्रदान किए गए 'स्पार्क' पुरस्कारों में छत्तीसगढ़ का दबदबा रहा। राज्य को इसमें विभिन्न श्रेणियों में पांच पुरस्कार मिले। प्रदेश के तीन शहरों को अपनी-अपनी श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार, एक नगरीय निकाय को द्वितीय पुरस्कार और राज्य स्तरीय पुरस्कारों में छत्तीसगढ़ को पूरे देश में तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री तोखन साहू ने नई दिल्ली के इंडिया हैबिटॉट सेंटर में आयोजित समारोह में ये पुरस्कार वितरित किए। छत्तीसगढ़ से गए 20 अधिकारियों और लाभार्थियों की टीम ने अपने-अपने निकायों की ओर से ये पुरस्कार ग्रहण किए। दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डे-एनयूएलएम) में उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारत सरकार द्वारा

दिए जाने वाले प्रतिष्ठित 'स्पार्क 2023-24' पुरस्कारों के अंतर्गत दस लाख तक जनसंख्या श्रेणी में बिलासपुर नगर निगम को पूरे देश में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं तीन लाख तक जनसंख्या श्रेणी में रायगढ़ नगर निगम को और एक लाख तक जनसंख्या श्रेणी में भाटापारा नगर पालिका को पूरे देश में प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया। चांपा नगर पालिका को 50 हजार तक जनसंख्या श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार मिला। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में श्रेष्ठ कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को पूरे देश में तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि के लिए सूडा और चारों नगरीय निकायों की टीम के साथ ही प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत सरकार द्वारा प्रदत्त ये पुरस्कार राज्य के लिए सम्मान का विषय है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत स्वरोजगार और कौशल विकास के साथ ही शहरी पथ विक्रेताओं को सहायता प्रदान की जा रही है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने भी सूडा और पुरस्कार के लिए चयनित नगरीय निकायों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन महिलाओं एवं युवाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध मिशन है। छत्तीसगढ़ इस मिशन में लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है।

बालको सीईओ टॉउनहॉल में सुरक्षा संस्कृति पर हुई चर्चा

बालकोनगर । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने सीईओ टाउनहॉल आयोजित किया। वरिष्ठ प्रबंधन की उपस्थिति पर कंपनी के रणनीति कार्यों पर चर्चा की गई जिसमें कंपनी के उत्कृष्ट उत्पादन के साथ कार्यस्थल को सुरक्षित बनाना शामिल था। सीईओ ने मजबूत सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 300 से अधिक शॉपफ्लोर, सेफ्टी और संगठन के विभिन्न अन्य विभागों के कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों को एकजुटता के साथ सुरक्षा प्रथम दृष्टिकोण के पालन के लिए प्रोत्साहित किया। सीईओ ने कहा कि हमने समुदाय में सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा दिया है। सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कर्मचारियों के साथ-साथ समुदाय के प्रति भी है।

बालको एक औद्योगिक संगठन के रूप में समुदाय की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता दिया है। मानसून ध्यान में रखते हुए कंपनी ने संयंत्र परिसर और टाउनशिप के जल निकासी को सुदृढ़ किया है। बालको अपने दैनिक पत्रिका में प्रतिदिन वन पॉइंट सेफ्टी लेसन मुहिम चलाया है। इसका उद्देश्य है कर्मचारियों को प्रतिदिन सुरक्षा संबंधित एक नई जानकारी देना है। सभी कर्मचारियों के अंदर किसी भी असुरक्षित कार्य को ना कहने के लिए स्वयं को सशक्त महसूस करने के भाव में वृद्धि हुई है। कंपनी संयंत्र के साथ बालको टाउनशिप में यातायात नियमों को लागू करके सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने में भी योगदान दे रहा है।

कंपनी ने अपने मासिक सुरक्षा कार्यक्रम 'सुरक्षा

संकल्प' के जुलाई माह की थीम, मानसून में सुरक्षित ड्राइविंग- फिसलन/ट्रिप से बचाव ने मौसम की वजह से आने वाली चुनौतियों के लिए सभी को संबोधित किया। कंपनी का उद्देश्य सभी कर्मचारियों के साथ समुदाय के बीच सुरक्षा जागरूकता को अधिकतम करना है। कंपनी नियम तथा सभी दिशा निर्देशों का पालन कर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखने के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर देना है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा बालको के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रचालन के विभिन्न स्तरों पर स्मार्ट तकनीकों के अपनाए जाने से उत्पादकता में बढ़ोत्तरी तो होने के साथ सुरक्षा संस्कृति को भी बढ़ावा मिला है। कंपनी अपने ज़ीरो हार्म दृष्टिकोण के अनुरूप सुरक्षा प्रथम नीति को प्राथमिकता देता है जो कंपनी की कार्य संस्कृति में शामिल है। सीईओ ने कहा कि सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ नियमों का पालन करना नहीं है बल्कि

यह हमारे कार्य करने के तरीके में समाहित है।

विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बालको युवाओं के अंदर सुरक्षा संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वाहनों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने 6 किमी तक थर्मोप्लास्टिक मार्किंग सहित विभिन्न मार्गों पर 12 स्पीड ब्रेकर, कई जेब्रा क्रॉसिंग और 40 रेट्रो-रिफ्लेक्टिव साइनबोर्ड तैनात किया है। कंपनी ने आग से बचाव के उपाय पर जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किये। कंपनी निरंतर जागरूकता और शैक्षिक पहल के माध्यम से समुदाय के भीतर सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने के लिए कटिबद्ध है। कंपनी के सुरक्षा कार्यक्रमों में 'चेतना' सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है जो पांच मूलभूत सुरक्षा युक्तियों पर केंद्रित है जो सभी के लिए सुरक्षित आवाजाही, कार्यों और अनुभवों को सुनिश्चित करते हुए संयंत्र परिसर के भीतर एक सुरक्षित वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...
कलेक्टर
जशपुर (छत्तीसगढ़)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...
कलेक्टर
बलरामपुर (छत्तीसगढ़)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...
परियोजना अधिकारी
महिला एवं बाल विकास
रामचंद्रपुर, बलरामपुर (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...
जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास बलरामपुर
जिला बलरामपुर (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...
आयुर्वेद अधिकारी
अम्बिकापुर
सरगुजा (छत्तीसगढ़)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...
वन मण्डलाधिकारी
वन मण्डल मनेन्द्रगढ़
एमसीबी (छत्तीसगढ़)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...
वन मण्डलाधिकारी
एलिफेंट रिजर्व अधिकारी
व स्टाफ अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...
वन मण्डलाधिकारी
वन मण्डल जशपुर
जशपुर (छत्तीसगढ़)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

अखिलेश मिश्रा
उपवनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल बैकुण्ठपुर कोरिया (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

रविशंकर श्रीवास्तव
उपवनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल बलरामपुर
राजपुर बलरामपुर (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

रामसागर कुर्रे
वन परिक्षेत्राधिकारी
वनपरिक्षेत्र मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

सुरेन्द्र होता
वन परिक्षेत्राधिकारी
वनपरिक्षेत्र कुनकुरी जशपुर (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

सुरेश सिंह
पंचायत इंस्पेक्टर
जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर, बलरामपुर छ.ग.

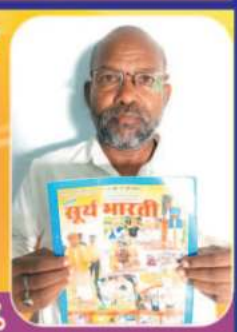

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

श्री राजेश अग्रवाल
विधायक
अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र

सूर्य भारती के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं...

शफी अहमद
पूर्व अध्यक्ष
श्रम कल्याण बोर्ड छ.ग. शासन
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

सुश्री एम.एल.लकड़ा
वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र लखनपुर, सरगुजा (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

डॉ. अजय तिर्की
महापौर
नगरपालिक निगम अम्बिकापुर
सरगुजा (छ.ग.)

सूर्य भारती के स्थापना दिवस
पर हार्दिक शुभकामनाएं...

मा. श्यामबिहारी जायसवाल
मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
छत्तीसगढ़ शासन रायपुर (छ.ग.)

एक पेड़ माँ के नाम

महावृक्षारोपण अभियान

चलव बनाबो हरियर छत्तीसगढ़

प्रदेश में रोपे जाएँगे करीब 4 करोड़ पौधे

"आइये जननी और जन्मभूमि के
रिश्ते को नई पहचान दें,
पौधा लगाकर उसे संरक्षित करें।"

- श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

छत्तीसगढ़ संवाद- 12820/ 160

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी प्रकाशक मुद्रक व सम्पादक एम.पी. गुप्ता, शिवायन ऑफसेट, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) से मुद्रित व कन्या परिसर मार्ग अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) से प्रकाशित